● वर्ष-3
● अंक-243
रायपुर, मंगलवार
21 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सही दिशा और सही स्थान पर ...

कवर्धा: 30 फीट खाई में गिरा वाहन, 19 की मौत

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक तहत कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपनी में आज दोपहर करीब 12 बजे पिकअप वाहन 30 फीट गहरी खाई में गिर गया। जिसमें से 19 लोगों की मौत की हो गई। पिकअप में करीब 25 से अधिक लोग सवार थे। हादसे में 19 महिलाओं और एक पुरुष की मौत की एसपी अभिषेक पल्लव ने पुष्टि की है। कुकदूर थाने से मिली जानकारी के अनुसार, पिकअप में बैठे लोग ग्राम सेमहारा (कुई) के रहने वाले हैं, जो कि तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। जिस सड़क में यह हादसा हुआ है वह प्रधानमंत्री सड़क में आती है। ये कुई से होते हुए नेऊर और रुकमीदादर को जोड़ती है। इसके बाद मध्य प्रदेश शुरू हो जाता है। घटना स्थल सुदुर वनांचल व पहाड़ी क्षेत्र में आता है। यहां पर मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं करता है।

पिकअप में सवार थे लगभग 25- एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि थाना कुकदूर क्षेत्र के तहत ग्राम बाहपानी के पास पिकअप वाहन खाई में गिरा है। पिकअप में लगभग 25 लोग सवार थे जो तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। सभी वापस आ रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। घटना की सूचना पाकर पुलिस घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक घटना स्थल में मोबाइल नेटवर्क काम नहीं करता, जंगल और पहाड़ी एरिया है। घटना स्थल से कुकदूर तहसील मुख्यालय करीब 35 किमी दूर है।

इन लोगों ने गंवाई हादसे में जान

मीराबाई, टीकू बाई, सिरदारी, जनियाबाई, मुंगिया बाई, झंगलो बाई, सियाबाई, किरण, पटोरीन बाई, धनैया बाई, शांति बाई, प्यारी बाई, सोनम बाई, बिस्मत बाई, लीलाबाई, परसदिया बाई, भारती, सूक्ति बाई

ये हुए घायल- मुन्नी बाई, धानबाई, ममता, गुलाब सिंह

राष्ट्रपति ने शोक व्यक्त किया- इस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है. राष्ट्रपति ने ट्वीट कर कहा, कबीरधाम जिले में हुई सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है. इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं.

मोदी ने जताया दुख- हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है।

सीएम साय ने भी जताया शोक- हादसे पर सीएम साय ने दुख जताते हुए कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 19 ग्रामीणों के निधन एवं 7 के घायल होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

भूपेश बघेल ने जताया दुख- हादसे पर दुख जताते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपाली में तेंदूपत्ता संग्राहकों के पिकअप वैन की सड़क दुर्घटना का समाचार पीड़ादायक है। दुर्घटना में असमय काल कलवित हुए श्रमिकों एवं बैगा आदिवासियों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। शोक की इस घड़ी में हम सब की संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं।

उप-मुख्यमंत्री शर्मा मिले घायलों से

दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजधानी रायपुर से तत्काल पंडरिया के लिए रवाना हुए उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वहां पहुंचकर डॉक्टरों और अधिकारियों के साथ अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। उन्होंने इस दुर्घटना को दुर्भाग्यजनक बताया और घायल और मृतक के परिजनों को हरसंभव सहायता करने की बात कही।

मृतकों के परिजनों को 5 लाख और घायलों को 50 हज़ार की सहायता राशि देगी सरकार

छत्तीसगढ़ शासन ने मृतकों के परिजनों को रु. 5 लाख और हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हज़ार की सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स में इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि हमनें मृतकों के परिजनों को 5 लाख और इस हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हज़ार की सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। यह राशि प्रशासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता एवं बीमा आदि से मिलने वाली राशि के अतिरिक्त है। प्रशासन को यह भी निर्देश दिया गया है कि सड़क सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरती जाये। ऐसे हादसे रोकने के हरसंभव उपाय होने चाहिये।

पांचवें चरण में करीब 57% मतदान

राज्य	मतदान
बिहार	52.60%
जम्मू-कश्मीर	54.49%
झारखंड	63.00%
लद्दाख	67.15%
महाराष्ट्र	48.88%
उड़िसा	60.72%
उत्तर प्रदेश	57.79%
पश्चिम बंगाल	73.00%

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर के लिए मतदान सोमवार को खत्म हो गया। पांच बजे तक के आंकड़े के अनुसार, पांचवें चरण की 49 सीटों पर 56.68% मतदान हुआ है। 2019 में इन सीटों पर 62.01 फीसदी मतदान हुआ था। इस चरण में आठ प्रदेशों की 49 सीटों पर 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे। पांचवें दौर में सबसे ज्यादा 14 सीटें उत्तर प्रदेश की जबकि सबसे कम जम्मू कश्मीर और लद्दाख की एक-एक सीट पर वोट डाले गए। लोकसभा चुनाव के 5वें चरण के लिए 8 राज्यों की 49 सीटों पर मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 57.47 फीसदी वोटिंग हुई। जहां सबसे कम मतदान महाराष्ट्र में हुआ। यहां कुल 48.88 फीसदी मतदान हुआ। वहीं, सबसे ज्यादा वोटिंग पश्चिम बंगाल में हुआ। यहां पर 73 फीसदी वोटिंग हुई।

सभी सीटों के लिये मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे तक चलेगा। चुनाव आयोग ने बताया कि ओडिशा विधान सभा के दूसरे चरण के मतदान में बाकी 35 सीटों पर शाम पांच बजे तक 60.54 प्रतिशत वोट डाले गये थे। इस चरण में सबसे अधिक मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ है, जहां शाम पांच बजे तक सर्वाधिक 73.00 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। महाराष्ट्र में सबसे कम 48.66 प्रतिशत मत पड़े थे। अब तक के चुनावों में मत प्रतिशत चर्चा का बड़ा विषय रहा है। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया है। वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है।

सुप्रीम लीडर खामनेई ने कर दिया ऐलान

रईसी की मौत बाद मोखबर को मिली ईरान की कमान

नई दिल्ली. ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मृत्यु के बाद उनके लिए पांच दिनों के सार्वजनिक शोक की घोषणा की और देश में मतदान होने तक अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर की पुष्टि की। आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए द्वारा दिए गए एक बयान में खामेनेई ने कहा कि मैं पांच दिनों के सार्वजनिक शोक की घोषणा करता हूं और ईरान के प्रिय लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घोषणा के साथ, ईरान के पास अब रायसी के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए राष्ट्रपति चुनाव कराने से पहले 50 दिनों की समय सीमा है। ईरानी सर्वोच्च नेता ने कहा कि मोखबर कार्यकारी शाखा का प्रबंधन करेंगे और अधिकतम 50 दिनों के भीतर एक नए राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए विधायी और न्यायिक शाखाओं के प्रमुखों के साथ व्यवस्था करने के लिए बाध्य हैं। एक इजरायली अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यहूदी राष्ट्र ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी और उनके विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन की मौत में शामिल नहीं था। नाम न छापने का अनुरोध करने वाले एक अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि यह हम नहीं थे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वर्तमान में सभी संकेत यही हैं कि हेलीकॉप्टर खराब मौसम और खराब दृश्यता के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के शिष्य और ईरान-इराक युद्ध के अंत में 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों को सामूहिक फांसी दिए जाने में शामिल रहे ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की सोमवार को एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई।

ईरान के राष्ट्रपति के निधन पर केंद्र सरकार ने 21 मई को राजकीय शोक की घोषणा की

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के सम्मान में मंगलवार को पूरे भारत में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। पूरे भारत में उन सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और राजकीय शोक की अवधि के दौरान मनोरंजन वाला कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं होगा।

प्रमुख समाचार

गुजरात में इस्लामिक स्टेट के 4 आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने सोमवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट के चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। चारों आतंकी श्रीलंकाई नागरिक हैं। वे पहले चेन्नई पहुंचे और बाद में अहमदाबाद पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि वे अहमदाबाद हवाईअड्डे पर पाकिस्तानी आकाओं के संदेश का इंतजार कर रहे थे। इससे पहले कि आतंकियों को हथियार मिल पाते, गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। गुजरात के डीजीपी शाम 4 बजे गिरफ्तारी को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इससे पहले अप्रैल में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गुजरात तट से 14 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था और उनके कब्जे से 602 करोड़ रुपये की 86 किलोग्राम प्रतिबंधित दवाएं जब्त की थीं। इससे पहले, एनसीबी ने गुजरात और राजस्थान में प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन, जिसे म्याऊं म्याऊं के नाम से जाना जाता है, का निर्माण करने वाली तीन प्रयोगशालाओं का भंडाफोड़ किया था और मामले के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

विपक्षी गठबंधन की मदद के लिए तृणमूल की ज्यादा सीटों पर जीत जरूरी: ममता

पांसकुड़ा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को अधिकतम सीटें मिलने से यह सुनिश्चित होगा कि वह केंद्र में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को सरकार बनाने में पूरी तरह से मदद कर सकेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की 'गारंटी' सच नहीं है। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लोगों को रसोई गैस, बिजली मुफ्त में नहीं दी जा रही है। बनर्जी ने यहां एक चुनावी रैली में मतदाताओं से टीएमसी को वोट देने का आग्रह करते हुए कहा, ''यह वोट दिल्ली के लिए है...अगर हम आपके वोट से हर सीट जीत सकते हैं, तो हम 'इंडिया' गठबंधन द्वारा बनाई जाने वाली सरकार की मदद कर सकते हैं।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संदेशखाली की महिलाओं के संबंध में साजिश रची, जहां स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुआ। मुख्यमंत्री ने सभी जाति और धर्म के लोगों से एकजुट रहने का आग्रह करते हुए कहा, ''उनकी अगली साजिश (लोगों को) लड़ाना है।''

'आप' अरविंद केजरीवाल पर फर्जी हमले की योजना बना रही

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा चुनाव से पहले सहानुभूति बटोरने के लिए आम आदमी पार्टी खुद अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर हमला करवा सकती है। यह आरोप उस दिन आया जब आप नेता संजय सिंह ने भाजपा पर दिल्ली के मुख्यमंत्री पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग को अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा बढ़ानी चाहिए। दिल्ली मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों पर अरविंद केजरीवाल को धमकी देने वाली कई तस्वीरें सामने आईं। सिंह, आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने दावा किया है कि भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रही है। सचदेवा ने दावा किया कि आप सांसद स्वाति मालीवाल के इस आरोप से ध्यान हटाने के लिए भित्तिचित्र आप की चाल थी कि उन्हें अरविंद केजरीवाल के घर के अंदर पीटा गया था। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केजरीवाल से मेरा एकमात्र सवाल यह है कि वह अपने घर में मालीवाल हमले की घटना पर अपनी चुप्पी कब तोड़ेंगे।

अवकाश पीठ के समक्ष जूनियर वकीलों को बहस करने की अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए अपनी अवकाश पीठों के समक्ष जूनियर वकीलों को बहस करने की अनुमति देने के महत्व को संबोधित किया। बार के युवा सदस्यों के पेशेवर विकास के अवसरों के महत्व को रेखांकित करते हुए, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और संजय करोल की पीठ ने जूनियर वकीलों को अपने कानूनी कौशल विकसित करने और अपने करियर स्थापित करने के लिए आवश्यक मंच प्रदान करने के मुद्दे पर प्रकाश डाला। शीर्ष अदालत में अवकाश के पहले दिन सुनवाई के दौरान पीठ ने अभिषेक मनु सिंघवी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित वरिष्ठ वकीलों से एक स्पष्ट अनुरोध किया। पीठ ने कहा कि हम सभी विद्वान वरिष्ठ अधिवक्ताओं से अनुरोध करेंगे कि वे बार के युवा सदस्यों को छुट्टियों का समय दें। वरिष्ठ वकील सिंघवी ने इस तरह की प्रथा के लिए लंबे समय से समर्थन व्यक्त करते हुए जवाब दिया कि मैं रिकॉर्ड पर रहा हूं कि यदि आपके आधिपत्य एक समान नियम बनाते हैं, तो यह हमारे लिए बहुत आसान होगा। पीठ ने स्वीकार किया लेकिन बताया कि ऐसे फैसले पूरी तरह से उनके दायरे में नहीं हैं।

सुको से खारिज हुई 3 नए क्रिमिनल कानूनों के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (20 मई) को भारतीय न्याय संहिता 2023 सहित तीन नए आपराधिक कानूनों की व्यवहार्यता की जांच, आकलन, पहचान करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। तीन नए आपराधिक कानून पिछले साल 21 दिसंबर को संसद में पारित किए गए थे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी। तीन कानून, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 1 जुलाई, 2024 से लागू होगा। ये कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों और उनकी सजाओं की परिभाषा देकर देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। इससे पहले इस साल 20 अप्रैल को भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि नए आपराधिक कानूनों का अधिनियमन एक संकेतक है कि भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके अधिनियमन ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को नए युग में बदल दिया है।

कांग्रेस के लिए अहम है अबकी बार 90 पार

शेखर गुप्ता

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने देश में हो रहे आम चुनावों को लेकर एक अलग संकेत दिया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की संभावित सीट की बात करने के बजाय कांग्रेस पार्टी को मिलने वाली सीट पर ध्यान केंद्रित किया है। द प्रिंट को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को अगली सरकार बनाने के लिए केवल 125 सीट की आवश्यकता है जबकि भाजपा को कम से कम 250 सीट की जरूरत होगी। रेड्डी की दलील है कि कांग्रेस के पास अब गठबंधन और उसका भरोसा है। भाजपा के पास दोनों नहीं हैं। हम यह बात भी शामिल कर सकते हैं कि इतिहास हमें बताता है कि 150 से कम सीट वाली पार्टी भी गठबंधन का नेतृत्व कर सकती है। कांग्रेस को 2004 में भाजपा की 138 सीट के मुकाबले 145 मिली थीं और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की पहली सरकार बनी थी क्योंकि ज्यादा साझेदार कांग्रेस के साथ थे।

नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में यही लक्ष्य तय किया था और साझेदारों की 30 सीट के साथ मिलकर आंकड़ा 400 पार हो जाएगा। क्या यह आंकड़ा पिछले आम चुनाव के 303 के आंकड़े से 20-30 सीट कम या ज्यादा रहेगा? क्या पार्टी 272 के आंकड़े से नीचे रह जाएगी? हम कांग्रेस को शीर्ष पर आते नहीं देख रहे हैं क्योंकि वह केवल 328 सीट पर लड़ रही है जो इतिहास में अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। कांग्रेस को 2014 और 2019 में क्रमशः 44 और 52 सीट पर जीत मिली थी जबकि भाजपा को 282 और 303 सीट मिली थीं।

कांग्रेस के विरुद्ध पार्टी पहले ही अधिकतम सीट पर है। 2019 में जिन सीट पर दोनों दल आमने-सामने थे उनमें से 92 फीसदी पर भाजपा को जीत हासिल हुई थी। ऐसे में कांग्रेस के पास खोने को कुछ नहीं है। अब समीकरण को उलट दें और यह सोचें कि कांग्रेस किन सीट पर जीत हासिल कर सकती है। उत्तर में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड तथा पश्चिम और दक्षिण में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक में कांग्रेस ने लगभग सभी सीटें भाजपा के हाथों गंवा दीं। इन राज्यों की 241 सीट में से कांग्रेस को केवल नौ सीट पर जीत हासिल हुई। अब पार्टी के पास खोने को कुछ नहीं है।

पार्टी को ज्यादातर जीत उन जगहों पर मिली जहां भाजपा उसकी प्रतिद्वंद्वी नहीं थी। उदाहरण के लिए केरल और तमिलनाडु।

कांग्रेस अब जिन 328 सीट पर चुनाव लड़ रही है वहां उसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भाजपा है। इसका अर्थ यह है कि मोदी और भाजपा के अश्वमेध को रोकने की जिम्मेदारी भी उसी के कंधे पर है। वह यहां जो भी सीट जीतेगी, वह भाजपा को सीधा नुकसान होगा। जब 90 सीट ही पर्याप्त हैं तो उसे 125 सीट की जरूरत नहीं है। आइए समझते हैं। अगर कांग्रेस 80 सीट पाती है तो भाजपा की सीट 2019 की तुलना में 25-30 तक कम हो जाएंगी। निश्चित रूप से भाजपा और उसके समर्थक कहेंगे कि उसे ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लाभ होगा और वह वहां गैर कांग्रेसी दलों से सीटें छीनेगी। उनकी बात सही भी हो सकती है। इसके उलट उद्धव ठाकरे, शरद पवार और तेजस्वी यादव के दलों के विरुद्ध भाजपा दबाव में हैं। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि अगर कांग्रेस को 52 से 10 सीट अधिक मिलीं तो भाजपा की 10 सीट कम होंगी। अगर कांग्रेस 90 पर पहुंचती है तो काफी संभव है कि भाजपा 272 क आंकड़े से नीचे रह जाए। 100 सीट राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा देंगी।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि ऐसा होगा या हो सकता है। मैं बस एक बुनियादी समीकरण पेश कर रहा हूं कि हारने वालों को सरकार बनाने के लिए जीतने वालों से कम की जरूरत है। इसे दूसरी तरह से देखते हैं। भाजपा को अगर 30 और सीट मिलती हैं और वह 330 पर पहुंच जाती है तो इससे अगली सरकार की मजबूती पर कोई असर नहीं होगा। जबकि 30 सीट की कमी उसके लिए गंभीर परिणाम लाएगी। कांग्रेस को 70 के ऊपर मिलने वाली हर सीट राष्ट्रीय राजनीति को दोबारा संतुलित करेगी। पार्टी चाहे जो भी दावा करे लेकिन ऐसा करना आसान नहीं होगा। खासतौर पर इसलिए कि इनमें से अधिकांश में उसे भाजपा को हराना होगा या कहें तो मोदी को हराना होगा। 2019 में दोनों दलों को मिले वोटों के अंतर को ध्यान में रखें तो यह काम आसान नहीं होगा। कांग्रेस अतिरिक्त 30 सीट कहां से लाएगी? क्योंकि अगर उसे हालात बदलने हैं तो कम से कम इतनी सीट की जरूरत होगी। पार्टी उन राज्यों पर नजर डालेगी जहां वह 2019 में भाजपा के हाथों ज्यादातर सीट गंवा चुकी है और अब वहां या तो वह गठबंधन कर चुकी है या उसकी राज्य सरकार हैं। कर्नाटक और तेलंगाना सबसे पहले आते हैं जहां पार्टी के पास 28 और 17 में से क्रमशः एक और तीन सीट ही हैं।

याद रहे कि मैंने इसके लिए संभावित शब्द का प्रयोग नहीं किया। जितना मैं जानता हूं, कांग्रेस 52 से कम सीट पर भी सिमट सकती है। भाजपा के बजाय कांग्रेस की सीट के बारे में अनुमान लगाना अधिक दिलचस्प है।

नई नक्सल पुनर्वास नीति ला सकती है साय सरकार

लोकसभा चुनाव के बाद हो सकता है लागू, मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने दिये संकेत

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी सरकार नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव कर सकती है। सीएम विष्णुदेव साय ने संकेत दिये हैं कि पुनर्वास नीति के कारण नक्सली आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं। इस संबंध में देखा जा रहा है कि इस नीति में और क्या बेहतर हो सकता है। इसके साथ ही नई पुनर्वास नीति पर विचार किया जा रहा है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार नई पुनर्वास नीति ला सकती है और इसे प्रदेश में लागू कर सकती है।

वर्तमान में पुनर्वास के प्रावधान के तहत आत्मसमर्पितों नक्सलियों को किराए का मकान दिया जाता है। इसके साथ ही पुनर्वास की राशि, रोजगार, शिक्षा समेत अन्य सुविधाएं दी जाती है। हालांकि इसमें देरी की शिकायते मिलती रही हैं। आत्मसमर्पितों नक्सलियों को निवास के लिए मनचाहे शहर या गांव का विकल्प दिया जाएगा। मकान ऐसा होगा जिसमें उनका पूरा परिवार एक साथ रह सके। रोजगार के लिए कौशल विकास योजना के तहत रोजगार दिया जायेगा। इसके तहत उन्हें प्रशिक्षण मिलेगा। स्वरोजगार चाहने वाले आत्मसमर्पित नक्सलियों को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। इतना ही नहीं पुलिस उनके कोर्ट केसस को सुलझाने में भी मदद करेगी।

नक्सल मोर्चे पर मिल रही कामयाबी से बढ़ा उत्साह

रायपुर पुलिस परेड ग्राउंड में मीडिया से चर्चा में सीएम साय ने कहा कि ये सब डबल इंजन सरकार की वजह से संभव हुआ है कि केवल तीन से चार महीने में 112 नक्सली मारे गए हैं। करीब पौने चार सौ नक्सली आत्मसमर्पण किये हैं और 153 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। नक्सल क्षेत्र में 28

सुरक्षा कैंप खुले हैं। 143 आईडी बरामद किए गए हैं। ये हमारी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। साय बोले कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री इस विषय पर बहुत ही गंभीर है और जल्द ही छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का समापन चाहते हैं। तीन वर्ष के भीतर नक्सलियों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिस रोडमैप को हरी झंडी दी है। उसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा आगे बढ़ा रहे हैं।

अभी ये मिलती है प्रोत्साहन राशि और सुविधा

प्रत्येक नक्सली को समर्पण पर प्रोत्साहन के लिए 25 हजार रुपये की राशि देने का नियम है। नक्सल पीड़ित के समान ही आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुविधाएं देने का प्रावधान है। सक्रिय, पांच लाख या अधिक के इनामी नक्सली को आत्मसमर्पण पर 10 लाख की राशि पृथक से देने, समर्पित हथियार के बदले देय मुआवजा राशि का प्रावधान है। यह राशि बैंक में सावधि जमा की जाती है और इसका ब्याज समर्पित नक्सली को मिलता है। तीन साल बाद चाल चलन की समीक्षा के बाद यह राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। यदि समर्पित नक्सली की ओर से तीन वर्ष के भीतर कृषि भूमि क्रय की जाती है तब दो एकड़ तक भूमि पर स्टांप ड्यूटी व पंजीयन शुल्क में पूर्ण छूट देने का प्रावधान है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक जवान घायल

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के अंतिम छोर से लगे ओडिशा के कोमना थाना क्षेत्र के सुनाबेड़ा अभ्यारण्य में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में क्रॉस फायरिंग में जवान के गर्दन में गोली लगी है। लहूलुहान जवान को घटना के बाद आनन-फानन में गरियाबंद जिला अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जवान को रायपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ अभी भी जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, गरियाबंद जिले के कांवर भौदी से लगे ओडिशा के कोमना थाना क्षेत्र के सुनाबेड़ा अभ्यारण्य के शिवनारायणपुर गांव में देर रात जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान नक्सलियों की क्रॉस फायरिंग में एक जवान के गले में गोली लगी है जो अभी भी फंसी हुई है। घायल जवान का नाम प्रकाश साई बताया जा रहा है। जवान ओडिशा के नुआपाड़ा जिले के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का है। घायल जवान को रायपुर रेफर किया गया है मुठभेड़ स्थल में सर्चिंग जारी है।

तेंदूपत्ता के नगद भुगतान के लिए ग्रामीणों ने विधायक व कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दंतेवाड़ा। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य लगभग संपन्न हो गया है। दंतेवाड़ा जिले 07 समितियों एवं के 144 फड़ो के माध्यम से 21 हजार संग्राहको द्वारा करीब 20 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। जिसका संग्राहको को 11 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना है। आज सोमवार को तेंदूपत्ता के नगद भुगतान के लिए तेंदूपत्ता संग्राहक ग्रामीणों ने विधायक और जिले के कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नगद भुगतान करवाने की मांग की है।

संग्राहको का कहना है कि सभी को पता है इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण की कीमत 55 सौ रुपये मानक बोरा है। नगद भुगतान होने से हमारा पैसा बहुत ही कम समय मे हमारे हाथों में मिल जाता है, और कोई परेशानी भी नही होती है। वहीं बैंक खाता में भुगतान होने से सबसे बड़ी समस्या बैंक का चक्कर लगाने, गांव से रोजाना गाड़ी किराया कर पैसे के लिए बैंक आने, होल्ड लगे खातों को सुधरवाने, कम पढ़े लिखे होने के कारण बैंक स्लिप भरने संबंधी अनेक समस्या होती है। संग्राहको का कहना है कि तेंदूपत्ता संग्रहण भुगतान की राशि का उपयोग सबसे ज्यादा खेती-किसानी हेतु एवं बरसात से पहले नागर जोतने संबंधी कार्यो में उपयोग किया जाता है। तेंदूपत्ता का समय पर नगद भुगनात होने पर नागर हेतु ट्रेक्टर आदि के भुगतान में सहायता मिलती है।

ग्रामीणों द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण के नगद भुगतान की मांग पर दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने संग्राहको की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि आपकी मांगो को पूर्ण कराने का भरपूर प्रयास किया जाएगा। श्री अटामी ने कहा कि मैं स्वयं तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार से हूं। एवं खाता भुगतान से होने वाली समस्त समस्या को समझता हूं। मैं आपकी मांगो को मुख्यमंत्री से अवगत कराऊंगा।

मानसून 13 जून को बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा

मौसम विभाग ने 106% तक बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है

जगदलपुर। बस्तर संभाग में विगत एक सप्ताह से बारिश हो रही है, इससे मई के महिने की गर्मी से राहत मिली हुई है, जिससे इन दिनों बस्तर का मौसम खुशनुमा बना हुआ है। इस बीच रविवार को अंडमान निकोबार में मानसून पहुंच गया है। केरल में 31 मई को मानसून के दस्तक देने के पूर्वानुमान के साथ ही देश के अन्य राज्यों में भी मानसून की शुरुआत हो जाएगी। वहीं मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मानसून 13 जून को बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अच्छी बारिश होने की भी उम्मीद है। मौसम विभाग ने 106 प्रतिशत तक बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि मानसून के जगदलपुर पहुंचने की सामान्य तिथि 13 जून है। इस वर्ष 106 प्रतिशत वर्षा की संभावना का मतलब है कि सामान्य से इस वर्ष अधिक बारिश होने की संभावना है। इसका मुख्य कारण एलनीनो है, एलनीनो का प्रभाव कम हो गया है यानी न्यूट्रल कंडीशन पर है। जिसके कारण इस वर्ष अच्छे मानसून की संभावना है। मानसून आमतौर 01 जून को केरल में प्रवेश करता है, इसके बाद यह उत्तर की ओर बढ़ता है, और 15 जुलाई के आस-पास पूरे देश को कवर कर लेता है। उन्होने बताया कि वायुमण्डल में एक द्रोणिका दक्षिण छत्तीसगढ़ से रायलसीमा तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पडने की संभावना है। वर्षा मुख्यत: दक्षिण छग में केंद्रित रहने की सम्भावना है। आने वाले दिनों में नवतपा के साथ प्रदेश में अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी।

शेयर मार्केट में निवेश के लालच में गंवा बैठे 33 लाख

पीड़ित की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में शेयर मार्केट में निवेश के लालच दो युवकों के साथ 33 लाख रुपए की ठगी हुई है। पीड़ित मणि कुमार देवांगन पिता खोरबाहरा देवांगन उम्र 38 वर्ष निवासी परपोंडी के आवेदन पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ 420 का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित युवक व उसके दोस्त के साथ ब्लाक ट्रेडिंग डिस्काउन्ट प्राईज में शेयर के नाम से आनलाइन के माध्यम से कुल 33 लाख रुपए को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा विभिन्न खातों मे ट्रांसफर करवाकर ठगी की गई है।

सबसे पहले पीड़ित के मोबाइल में 10 मार्च को फोन आता है व पूछा गया कि क्या आप शेयर मार्केट में रूचि रखते है, जिस पर पींडित ने हां बोला। फिर वाट्सअप ग्रुप में जुड़ने के लिए कहा व लिंक दिया गया। वाट्सअप ग्रुप द्वारा 10 मार्च से 4 अप्रैल तक शेयर मार्केट के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि ट्रेडिंग अकाउन्ट खोलकर एप में पैसा जमा कर ब्लाक ट्रेड़िग/ डिस्काउन्ट प्राईज (वास्तविक मूल्य से कम मूल्य पर) पर शेयर खरीद/बेच और ट्रेड़िंग कर सकते है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पीड़ित ने यह जानकारी अपने दोस्त पिंकेश कुमार जायसवाल पिता टीकाराम जायसवाल निवासी गातापार थाना परपोड़ी को दिया। दोनों ने मिलकर शेयर खरीदी बिक्री व ट्रेडिंग करने के लिए राजी हो गये। 4 अप्रैल को अपने मोबाइल में एप डाउनलोड किया। 8 अप्रैल को 50 हजार रुपए जमा किए गए। इसके बाद से रुपए जमा करने का सिलसिला 30 अप्रैल तक चला। मई माह में पीड़ित ने करीब 33 लाख रुपए अलग-अलग खाते में जमा कर दिए। इसके अलावा रुपए जमा नहीं करने पर अज्ञात आरोपी द्वारा सेबी से शिकायत करने की धमकी थी। वहीं रुपए वापसी नहीं होता देख पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही परपोड़ी थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच में ले लिया।

मुरुम खदान धसकने से तीन मजदूर दबे, खुदाई करते समय हुआ हादसा

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में लगातार अवैध तरीके से मिट्टी/मुरूम का उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। जिले में एक भी वैध मिट्टी मुरुम की खदान नहीं होने के कारण इन चीजों की जरूरतमंद ट्रैक्टरों के माध्यम मजदूरों की सहायता से जान जोखिम में डालकर मिट्टी मुरूम रेत की अवैध खुदाई करते हैं। इन खदानों में सुरक्षा के मापदंडों का पालन नहीं किया जाता।

सोमवार को ऐसी एक घटना गौरेला थाना क्षेत्र के दर्री गांव में देखने को मिली जब ट्रैक्टर में सवार श्रमिकों ने मुरूम की इस अवैध खदान पर असुरक्षित तरीके से मुरूम मिट्टी निकाल रहें थे, तभी मुरूम के इस अवैध खदान का एक हिस्सा श्रमिकों के ऊपर धसक गया और मजदूर उसमे दब गए। घटना के बाद आनन-फानन में आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर रेस्क्यू कर 2 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला जबकि एक मजदूर दीनू गोंड निवासी दर्री की मौके पर मौत हो गई।

वहीं दोनो घायल मजदूर प्रीतम सिंह और मुकेश सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

विवेकानंद स्कूल में 11वीं प्रवेश के लिए परीक्षा 22 मई को

जगदलपुर। शहर के स्वामी विवेकानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा ग्यारहवी में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन 22 मई को सुबह 10 बजे किया जा रहा है। संस्था की प्राचार्य मनीषा खत्री ने बताया कि विद्यार्थियों को उनकी पिछली कक्षा से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित संकाय से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें सही उत्तर देने पर 03 अंक प्राप्त होंगे और गलत उत्तर देने पर 01 अंक काटे जाएंगे। मेरिट लिस्ट जारी होने के पश्चात रिक्त सीटों के विरुद्ध विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। उन्होने बताया कि 19 मई की स्थिति में गणित संकाय में 38 अभ्यर्थी, जीव विज्ञान संकाय में 49 अभ्यर्थी और वाणिज्य संकाय में 77 अभ्यर्थी पंजीकृत किए जा चुके है। वे विद्यार्थी जिनका बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी नहीं हुआ है या पूरक आया है वे भी प्रवेश परीक्षा में अस्थाई रूप से शामिल हो सकते हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात उन्हें अंक सूची जमा करनी होगी। प्रवेश परीक्षा की संचालन व्याख्याता टी. रुचिका द्वारा किया जाएगा।

कार बनी आग का गोला कोरबा में मची अफरा-तफरी

कोरबा। कोरबा जिले के हसदेव बराज दरी के समीप देर रात एक चलती कार में आग लगने की घटना सामने आई है। जहां इस घटना के बाद हड़कप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार पिता-पुत्र ने चलती कार से कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। इसकी सूचना दमकल वाहन को दी गई। लेकिन उसके आने से पहले ही कार धू-धू कर जल गई। कोरबा बिलासपुर मुख्य मार्ग दर्री डेम के पास स्विफ्ट डिजायर कार दर्री से कोरबा की ओर आ रही थी। इस दौरान अचानक कार में आग लग गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के चलते यह घटना घटी है। जहां किसी तरह दोनों ने कार से कूद कर खुद की जान बचाई है। देखते ही देखते आग विकारल रूप ले गई। धू-धू कर कार जलने लगी। कार को जलता देख राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना स्थानी लोगों ने दर्री पुलिस को दी। जिसकी सूचना मिलते ही सीएसईबी और बालकों की अग्नि समन मौके पर पहुंची।

कबीरधाम में हाईवे किनारे खड़े ट्रक से टकराए दो वाहन

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में सोमवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे एक सड़क हादसे में एक की मौत और दो लोग घायल हो गए हैं। ये हादसा कवर्धा-पोंडी-बोड़ला नेशनल हाईवे के ग्राम सिंघनपूरी के पास हुआ है। सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में फोर व्हीलर और बाइक टकरा गई। सबसे पहले बाइक सवार नेतराम धुर्वे का वाहन टकराया। गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई। ये पुलिस विभाग में आरक्षक थे। जिसकी पोस्टिंग पांडातराई थाना में थी। इसके कुछ घंटे बाद फिर से इसी ट्रक में एक पुलिस का वाहन टकराया। वाहन में बैठे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक ही ट्रक में अलग-अलग दो बार हादसा हुआ। ट्रक में खराबी आ गई थी। ट्रक में न तो पार्सिंग लाइट जला रखी थी और न ही इंटीगेटर दे रखा था इस मामले में सिटी कोतवाली कवर्धा आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खाई में गिरी तेज रफ्तार पिकअप

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक तहत कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपनी में आज दोपहर करीब 12 बजे पिकअप वाहन खाई में गिर गई। पिकअप में करीब 30 से अधिक लोग सवार थे जिसमें से 15 लोगों की मौत की जानकारी मिल रही है। वहीं दर्जनभर लोग घायल बताए जा रहे हैं। कुकदूर थाने से मिली जानकारी के अनुसार पिकअप में बैठे लोग ग्राम सेमहारा (कुई) के रहने वाले हैं जो कि तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। जिस सड़क में यह हादसा हुआ है वह प्रधानमंत्री सड़क में आता है। ये कुई से होते हुए नेऊर और रुकमीदादर को जोड़ता है। इसके बाद मध्यप्रदेश शुरू हो जाता है। घटना स्थल सुदुर वनांचल व पहाड़ी क्षेत्र में आता है। यहां पर मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं करता है। एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि थाना कुकदूर क्षेत्र के तहत ग्राम बाहपानी के पास पिकअप खाई में गिर गई है। पिकअप में लगभग 25 लोग सवार थे जो तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। सभी वापस आ रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। घटना की सूचना पाकर पुलिस घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है।

तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर लगने से पुलिसकर्मी घायल

जगदलपुर। कोंडागांव थाना क्षेत्र के दहिकोंगा के पास बीती रात एक तेज रफ्तार बोलेरो चालक ने एक बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार को गंभीर चोट आई। घटना की जानकारी लगते ही थाना प्रभारी कोंडागांव ने अपने निजी वाहन में घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज रेफर किया गया।जहां उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक लोहंडीगुड़ा थाना में आरक्षक के रूप में पदस्थ था। मामले की जानकारी देते हुए कोंडागांव थाना प्रभारी प्रह्लाद यादव ने बताया कि रविवार की रात करीब आठ बजे के लगभग कोंडागांव से जगदलपुर की ओर जा रहे आरक्षक सौरभ उइके पिता स्व. रामचंद्र उइके 25 वर्ष निवासी परपा किसी काम से अपनी मोटरसाइकिल लेकर कोंडागांव गया हुआ था। रात को वापसी के दौरान सामपुर निवासी युवक अपनी बोलेरो वाहन लेकर जगदलपुर से सामपुर की ओर जा रहा था कि अचानक से दहिकोंगा के पास आमने-सामने टक्कर हो गई।

एसआई भर्ती पर मेरिट सूची में शामिल उम्मीदवारों को 90 दिन में नियुक्ति देने हाईकोर्ट का आदेश

बिलासपुर। एसआई-प्लाटून कमांडर भर्ती पर हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने मेरिट सूची में शामिल एसआई के उम्मीदवारों को 90 दिन में नियुक्ति देने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही प्लाटून कमांडर के 370 महिला अभ्यर्थियों को हटाकर 370 पुरुष अभ्यर्थियों को लेने के आदेश दिया है। कोर्ट ने 45 दिन के अंदर पूरी प्रक्रिया करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने अभ्यर्थियों के फिजिकल टेस्ट लेकर मेरिट के आधार पर भर्ती सूची जारी करने कहा है। बिलासपुर ।ष्ट में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

दरअसल प्रदेश में एसआई और प्लाटून कमांडर के करीब 975 खाली पदों पर भर्ती के लिए पुलिस मुख्यालय ने साल 2021 में वैकेंसी निकाली थी। भर्ती की जिम्मेदारी व्यावसायिक परीक्षा मंडल को दी गई, जिस पर 17 सितंबर 2021 को आवेदन जमा करने के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर समेत अन्य पदों पर भर्ती के लिए साल 2017 में व्यापम ने प्रक्रिया शुरू की थी, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया। इस वजह से अभ्यर्थियों में आक्रोश भड़क गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सरकार ने 2021 में भर्ती प्रक्रिया शुरू की, लेकिन वह भी अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

भर्ती के लिए प्रारंभिक एग्जाम लिया गया और मेरिट सूची जारी की गई। व्यापम ने मुख्य परीक्षा के पहले ही आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए कैटेगरी वाइज सूची जारी कर दी, जिसके कारण जनरल कैटेगरी के बहुत से उम्मीदवारों का नाम सूची में नहीं आ सका। व्यावसयिक परीक्षा मंडल की ओर से जारी सूची को चुनौती देते हुए जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों ने वकील के जरिए हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी।

दुकान आवंटन मामले में हाईकोर्ट ने दुकानदारों के पक्ष में सुनाया फैसला

बेमेतरा जिले के नवागढ़ में हुए दुकान आवंटन मामले को लेकर हाईकोर्ट ने दुकानदारों के पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद कलेक्टर, राज्य सरकार और सीएमओ नगर

पंचायत नवागढ़ के आदेश को निरस्त करते हुए आवंटितो को राहत दी है।

नवागढ़ नगर पंचायत ने वर्ष 2008 में दुकान बनाने के नाम पर 44000 रुपए लिए थे, लेकिन 2018 तक इस पर कोई कार्य नहीं हुआ, फिर वर्ष 2018 में कलेक्टर बेमेतरा से अनुमति लेकर नियमानुसार दुकानों का निर्माण व आवंटन किया गया परंतु मूल्य में वृद्धि हो जाने के कारण 32 में से केवल 14 दुकानें ही प्रस्ताव दिनाँक 23.7.18 द्वारा आवंटित हो पाईं।

आबंटितों को 18.8.18 तक 355000 रुपए जमा करने का आदेश दिया गया। जिस पर आबंटियों द्वारा थोड़ा समय देने निवेदन किया। जिसे स्वीकार करते हुए प्रस्ताव दिनांक 20.8.18 द्वारा 6 माह का समय प्रदान किया गया और जनवरी में सभी आबंटितो ने अनुबंध पर हस्ताक्षर कर जमा कर दिया और रकम भी समय के अंदर पटा दिया। इधर दुर्भावना वश की गई शिकायत पर जांच कर रिपोर्ट कलेक्टर के पास जमा की गई और कलेक्टर बेमेतरा ने आदेश दिनांक 26.3. 2019 द्वारा प्रस्ताव दिनांक 18.7.2008 एवम 20.8.18 को स्थगित कर दिया।

जिसे राज्य सरकार ने आदेश दिनांक 27.6.19 द्वारा अनुमोदित कर दिया गया, और मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगर पंचायत नवागढ़ ने आदेश दिनांक 26.7.19 के द्वारा आबंटन को निरस्त करते हुए 7 दिन में खाली करने का निर्देश आबंटितों को दिया। जिसके विरुद्ध चंद्रहास पांडेय एवम 11 अन्य ने अधिवक्ता प्रतीक शर्मा के माध्यम से उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका प्रस्तुत की और याचिकाकर्ताओं के पक्ष में अंतरिम आदेश प्रदान किया।

मामले में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राकेश पांडेय ने अन्य आधारों के अलावा नगर पालिका अधिनियम की धारा 323 के विरुद्ध आदेश पारित किए जाने के कारण कलेक्टर के आदेश दिनांक 26.3.19, राज्य सरकार के आदेश दिनांक 27.6.19 एवम ष्टस्ख् के आदेश दिनांक 26.7.19 को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया, और आबंटन को सही ठहराया।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश कांग्रेस के नेता प्रियंका गांधी को बुद्धू बना देते हैं : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रियंका गांधी को अज्ञानी बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस के नेता बुद्धू बना देते हैं। दरअसल, मामला पीडीएस सिस्टम से गरीबों को चावल देने का है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पीडीएस सिस्टम में चावल वितरण पर प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर उनको निशाने पर लिया है। सीएम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा है कि कांग्रेस की 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी है, इतनी आसानी से तो नहीं जाएगी। भाजपा सरकार पूरी सुगमता व पारदर्शिता के साथ पीडीएस सिस्टम में चावल वितरण कर रही है। कांग्रेस शासनकाल की तरह कोई गड़बड़ घोटाला नहीं कर रही है यदि प्रियंका जी को इतनी ही चिंता है तो कांग्रेस शासनकाल में करोड़ो रुपए के हुए चावल घोटाले पर भी कुछ बोल दें।

संस्कृत विद्यामंडलम द्वारा पृथक से जारी की जाएगी नई प्रवीण्य सूची

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर द्वारा नई प्रवीण्य सूची पृथक से जारी की जाएगी। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम के सचिव से मिली जानकारी कक्षा पूर्व मध्यमा प्रथम वर्ष 9वीं से उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष 12वीं तक का वर्ष 2024 का परीक्षा परिणाम दिनांक 15 मई 2024 को घोषित किया गया था। परीक्षा परिणाम के साथ-साथ कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं की अस्थायी प्रवीण्य सूची भी विद्यामण्डलम् द्वारा जारी की गई थी। जारी प्रवीण्य सूची में लिपकीय त्रुटियां होने के कारण इस प्रवीण्य सूची को निरस्त कर दिया गया है तथा नई प्रवीण्य सूची विद्यामण्डलम् द्वारा बाद में पृथक से जारी की जाएगी।

शनि मंदिर में लगी आग, इधर मोटर पार्ट्स के दुकान में लगी भीषण आग

रायपुर/मनेन्द्रगढ़। छत्तीसगढ़ के दो अलग-अलग जिलों में आगजनी की घटनाएं हुई हैं। पहली घटना राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित शनि मंदिर में आग लग गई। मंदिर में आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई। आगजनी की सूचना पर फायर ब्रिगेड और खम्हारडीह पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकल की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह मंदिर अशोका रतन के पास स्थित है। मंदिर में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है। दूसरी घटना मनेन्द्रगढ़ जिले की है। अंबिकापुर रोड स्थित राज मोटर्स में भीषण आग लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई है और आग बुझाने में जुट गई है। आग से दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है।

ईरान के राष्ट्रपति के निधन पर मुख्यमंत्री साय ने जताया शोक

रायपुर। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी के असामयिक निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक संवेदना व्यक्त की है। सीएम साय ने ट्वीट कर कहा, ईरान के राष्ट्रपति डॉ। सैयद इब्राहिम रईसी के निधन की दुखद खबर प्राप्त हुई। वे हमेशा भारत-ईरान के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के पक्षधर रहे। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। बता दें कि रविवार को इब्राहिम रईसी का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया था। इसमें उनका निधन हो गया। हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हुए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और अन्य लोगों के शव दुर्घटनास्थल से मिलने की भी पुष्टि हो चुकी है। राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 63 वर्ष के थे।

26 को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में ज़िला प्रशासन रायपुर द्वारा 26 मई को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन करने जा रही है।यह मॉक टेस्ट ऑफ लाइन (पेपर पेन मोड में ओएमआर शीट पर) होगा,जिसके लिए इच्छुक युवाओं को 24 मई तक गुगल फार्म मे रजिस्ट्रेशन कराना होगा। युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफलाइन मॉक टेस्ट का आयोजन किया जा रहा हैद्य मॉक टेस्ट का प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेज़ी दोनो भाषा में होगा। जिला प्रशासन द्वारा मॉक टेस्ट के बाद प्रश्नों के विस्तृत उत्तर भी दिया जाएगा साथ ही प्रथम 3 स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। मॉक टेस्ट में छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले के युवा शामिल हो सकते हैं ।

एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के प्रदेश के बच्चों में उत्साह का माहौल

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेश भर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए इंट्रेंस एग्जाम सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया है। विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा के निर्देश एवं कड़ी निगरानी में सचिव श्री नरेन्द्र दुग्गा के मार्गदर्शन में परीक्षा का आयोजन किया गया। एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के लिए हुए परीक्षा में 29200 छात्र छात्राएं शामिल हुईं जबकि 35684 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, इसका प्रतिशत 81.83 रहा। परीक्षार्थियो का तिलक लगाकर स्वागत किया। परीक्षा परिणाम राज्य स्तर पर घोषित होगा और काउंसिलिंग पद्धति से प्रवेश दिया जाएगा।

सैलजा की मानहानि, 2 पूर्व विधायक सहित 11 भाजपा नेताओं को भेजा नोटिस

■ शुक्ला ने किया पलटवार, कहा डरेंगे नहीं, सनातन रक्षक हैं

रायपुर। लोकसभा चुनाव के बीच में सियासी वार और पलटवार अब कानूनी नोटिस तक जा पहुंचा है। ताजा मामला कुमारी सैलजा से जुड़ा है, जिनके खिलाफ हरियाणा के सिरसा में प्रचार कर रहे 2 पूर्व विधायक सहित 11 भाजपा नेताओं को मानहानि का नोटिस भेजा है। नोटिस में सैलजा के समर्थक ने भाजपा नेताओं पर झूठे आरोप लगाते हुए 2 दिन में आरोप साबित नहीं कर पाने पर माफी मांगने की बात कही है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पूर्व प्रभारी कुमारी सैलजा हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस प्रत्याशी हैं, जिनके खिलाफ प्रचार के लिए भाजपा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वाले नेताओं को भेजा है। प्रचार के दौरान भाजपा नेता कुमारी सैलजा पर छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दौरान लेन-देन करने के सीधे आरोप लगा रहे हैं, जिस पर कुमारी सैलजा के समर्थक अजय चौहान की ओर से भाजपा नेताओं को मानहानि का नोटिस भेजा है।

जिन भाजपा नेताओं को नोटिस भेजा है, उनमें पूर्व प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला, पूर्व विधायक शिशुपाल

शोरी, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, पूर्व महापौर वाणी राव, पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिता रावटे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष तुलसी साहू, पूर्व प्रदेश ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष चौलेश्वर चंद्राकर, उषा पटेल, आलोक पाण्डेय, अजय बंसल और अरुण सिंह शामिल हैं।

नोटिस पर चंद्रशेखर शुक्ला ने कहा कि हम कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा के क्षेत्र सिरसा में प्रचार के लिए आए हैं। छत्तीसगढ़ से भाजपा के 11 नेताओं की टीम प्रचार कर रही है। हमने जो बातें कही है, वो सब छत्तीसगढ़ में घटित हुई है। हम किसी नोटिस से डरने वाले नहीं है। हम सनातन के रक्षक हैं। कानूनी रूप से नोटिस का जवाब दिया जाएगा।

सैलजा को मानना चाहिए कि उनके संरक्षण में क्या हुआ : विजय शर्मा

पूर्व छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा के समर्थक द्वारा 11 भाजपा नेताओं को भेजे गए नोटिस को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि उन्हें मानना चाहिए कि उनके संरक्षण में पार्टी में क्या हुआ। ईडी ने अपने प्रेस नोट में सबकुछ स्पष्ट कर दिया है। महादेव सट्टा एप, कोल घोटाले को नकारा नहीं जा सकता। यह केंद्र सरकार के संरक्षण में नहीं हुआ था।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में भूपेश बघेल के नक्सलियों वाले बयान पर कहा कि भूपेश बघेल ने 29 नक्सलियों के मारे जाने पर भी सवाल उठाया था। उन्हें सोच-समझ कर बयान देना चाहिए। उन्होंने आत्मानंद स्कूल को लेकर भी सवाल उठाए थे। उन्हें जानकारी ले लेनी चाहिए, फिर बोलना चाहिए।

वहीं मुठभेड़ में नक्सलियों के मारे जाने पर विजय शर्मा ने कहा कि जो एनकाउंटर हो रहे हैं, वो सरकार के अभियान का 20व भी नहीं हैं। सारा अभियान सामाजिक पक्ष, पुनर्वास, विक्टिम रजिस्टर का है। एनकाउंटर करना सरकार का भाव कभी नहीं हैं। सरकार बातचीत करके ही समाधान करना चाहती है। सरकार काली छाया को बस्तर से हटाना चाहती है।

पुनर्वास नीति को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पुनर्वास नीति बहुत अच्छी बनने वाली है। मैं कल जगदलपुर जा रहा हूं। वहां के कुछ स्थानीय पत्रकारों से मुलाकात करना है, जिन पत्रकारों से बात होती है, और भी वहां के लोगों से मिलकर पुनर्वास नीति में क्या हो सकता है, इस पर चर्चा करेंगे। बहुत सारे लोगों से मिलकर के एक अच्छी पुनर्वास नीति ला रहे हैं। ये मंच बहुत बड़ा है, जिसमे आने वाले समय में आपकी रुचि बढ़ेगी।

वहीं सीजीपीएससी गड़बड़ी के कुछ आरोपियों के विदेश भागने के सवाल पर विजय शर्मा ने कहा कि विदेश भागने से कुछ थोड़ी ना होता है। अपनी ज़मीन और संपत्ति लेकर थोड़ी गए हैं। सीबीआई की जांच में अगर अपराध संस्थित होता हैं, तो उसके बहुत सारे तरीक़े हैं। वहीं एसआई भर्ती को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि इसमें तीन-पांच दर्जन पीटीशन दायर हुए हैं। हमारे लिए उसका निर्णय कर पाना बड़ा मुश्किल है, इसलिए हमने कोर्ट को कहा हैं कि जो निर्णय आपको सही लगे आप कर लीजिए। जैसा आप कहेंगे हम कर लेंगे।

पांचवें चरण के मतदान को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि मैं ओडिशा गया था प्रचार के लिए, वहां परिवर्तन की लहर है। ओडिशा की सरकार को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है। केंद्र सरकार की ओर से जो चावल प्रदान किए जाते सिर्फ वही जनता को दिए जाते हैं, राज्य सरकार इसमें कुछ नहीं करती है।

चार जून के बाद कांग्रेस का क्या होगा इस सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पूरे देश में चालीस के पार नहीं जाने वाली है। इन्होंने चुनाव लड़ा ही नहीं है। सौ साल पुरानी पार्टी ने आजतक के इतिहास के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ा है। सरकार बनाने के लिए चुनाव नहीं लड़े हैं, अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस को परिवारवाद, भ्रष्टाचार से कैसे मुक्ति मिले, इस पर चर्चा करना चाहिए।

प्रीमियम शराब दुकानों में लागू होगी कैशलेस व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य की शराब दुकानों में अब कैशलेस भुगतान की सुविधा आरंभ की जा रही है। लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि राज्य की अनेक शराब दुकानों में शराब की बिक्री शासन द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि लेकर की जा रही है। इससे शराब उपभोक्ताओं में काफी असंतोष भी रहा है। वर्तमान में शराब का विक्रय प्रत्येक बोतल पर अंकित क्यू.आर. कोड को स्कैन करके और नगद भुगतान प्राप्त करके किया जाता है, लेकिन विगत वर्षो में कई कारणों से यह प्रणाली दोषपूर्ण साबित हुई है। अब ऑनलाइन भुगतान तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान द्वारा कैशलेस भुगतान की सुविधा आरंभ हो जाने से शराब दुकानों में निर्धारित राशि से अधिक राशि नहीं ली जा सकेगी। शराब का विक्रय अधिक व्यवस्थित तरीके से होगा, इससे शराब काउंटरों पर लगने वाली भीड़ में कमी आएगी, चिल्हर की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी और लोगों के समय की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार की प्राथमिकता सभी शासकीय विभागों में अधिक से अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित रायकरते हुए राज्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है। कैशलेस भुगतान की सुविधा इसी क्रम में उठाया गया एक छोटा सा कदम है। शुरुआती चरणों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह सुविधा विदेशी मदिरा की प्रीमियम दुकानों में प्रारंभ की जा रही है। इसमें सफलता मिलने पर इसे अन्य दुकानों में भी इसे प्रारंभ किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा इस व्यवस्था को लागू करने की पहल की गई है। बैंकों से दुकानवार क्यूआर कोड प्राप्त किया जा रहा है, जिसे प्रत्येक मदिरा दुकान के बाहर चस्पा किया जावेगा। क्यूआर कोड को स्कैन करने के पश्चात् निर्धारित फुटकर विक्रय दर पर मदिरा का क्रय किया जा सकेगा। इसी क्रम में सर्वप्रथम प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों में पी.ओ.एस. मशीन से क्रेडिट/डेबिट कार्ड के माध्यम से मदिरा के कीमत के भुगतान की प्रक्रिया अपनायी जायेगी।

पूर्व नक्सलियों का महिमामंडन शहीदों का अपमान, धनंजय बोले-

नक्सली के घर जाकर दावत उड़ाना चाहते हैं विजय शर्मा

रायपुर। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा की ओर से वीडियो कॉल से पूर्व नक्सली से बात कर उनका महिमामंडित करना शहीदों का अपमान करार दिया है। कांग्रेस ने कहा कि गृहमंत्री पूर्व नक्सली से वीडियो कॉल करके उसका महिमामंडित करते हैं, यह बेहद दुर्भाग्यजनक और निंदनीय है। गृहमंत्री नक्सली के घर जाकर लालभाजी की दावत उड़ाना चाहते हैं। यह नक्सली वारदात में मारे गए आम नागरिक और शहीदों के परिजनों के जख्मों पर नमक छिड़कना जैसा है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि गृहमंत्री विजय शर्मा को चाहिए था कि नक्सली वारदात में शहीद जवान और आम नागरिकों के परिजनों से चर्चा करते। उनके बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ,विकास और उनके सुख-दुख को समझते। गृहमंत्री का पूर्व नक्सली से चर्चा करना कहीं ना कहीं नक्सलवाद के प्रति सरकार के नरम रूख को दिखाता है। इसे अन्य प्रकार के अपराध और अपराधियों को बढ़ावा मिलता है।

धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि गृहमंत्री

को बस्तर में जिन परिवारों ने अपने परिजनों को नक्सली बताये जाने का विरोध किया है उन परिजनों से भी गृहमंत्री को बात करना चाहिए। उनकी बात सुननी चाहिए उनको न्याय दिलाना चाहिए। प्रदेश को लाल आतंक से मुक्त करने के लिए हमारे सुरक्षा बल के जवान अपने प्राणों की आहुति दिए हैं। नक्सलियों ने हजारों बेकसूर निर्दोष आम नागरिकों की हत्या की है। नक्सली वारदात के चलते कई परिवार अनाथ हो गए हैं। नक्सलियों ने आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया है। नक्सलवाद को खत्म करने जो हमारे आम नागरिक और सुरक्षा के जवान जो लोहा ले रहे हैं, उनके मन में भी नकारात्मकता आती है। दिनभर संघर्ष के बाद जब सरकार नक्सलियों के पक्ष में खड़ी होती है तो कहीं ना कहीं आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों का मन टूटता है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता ने कहा कि 15 साल के रमन सरकार के दौरान भी नक्सलवाद को लेकर सरकार का नरम रूख था जिसका ही दुष्परिणाम है कि दक्षिण बस्तर के दो विकासखंड तक सीमित नक्सलवाद प्रदेश के 15 जिलों को प्रभावित किया था। कांग्रेस की सरकार ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मजबूत नीति बनाई थी और छत्तीसगढ़ लाल आतंक से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। वर्तमान सरकार को भी नक्सलवाद समाप्त करने के लिए स्पष्ट नीति बननी चाहिए। नक्सली समाज के मुख्यधारा में जुड़े और बुलेट को छोड़कर बेल्ट पर विश्वास करें भारत के संविधान पर भरोसा करें और नक्सलवाद छोड़कर आये लोगों के उत्थान के लिए भी कार्यक्रम होना चाहिए पर इसका मतलब यह नहीं है कि अपराधी और नक्सलियों काम महिमामंडन किया जाये।

रेणुका सिंह ने गोड्डा में संभाली कमान निशिकांत दुबे के पक्ष में बना रहीं माहौल

कोरिया। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद भरतपुर सोनहत विधानसभा से भाजपा विधायक पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह भाजपा के लिए पड़ोसी राज्य झारखंड में भाजपा का चुनाव प्रचार प्रसार कर रही हैं। रेणुका सिंह यहां गोड्डा लोकसभा प्रभारी के तौर पर बीते 11 मई से मोर्चा संभाले हुई हैं। गोड्डा लोकसभा में 1 जून को आखिरी चरण में मतदान होना है।

रेणुका सिंह यहां स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही छत्तीसगढ़ से गए हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ 30 मई तक चुनाव प्रचार करेंगी। लोकसभा प्रभारी के तौर पर रेणुका सिंह यहां बूथ प्रबंधन से लेकर जनसम्पर्क के अलावा प्रचार प्रसार व डोर टू डोर कैम्पेनिंग का भी जिम्मा संभाल रही हैं। गोड्डा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने यहां वर्तमान सांसद डॉक्टर निशिकांत दुबे को चुनावी समर में उतारा है। दुबे के पक्ष में रेणुका सिंह यहां प्रचार कर रही हैं।

गौरतलब है कि रेणुका सिंह मोदी सरकार में जनजातीय मामलों की केंद्रीय राज्यमंत्री रही हैं। यहां विधायक रेणुका सिंह मोदी सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के लिए किए गए कार्यों की जानकारी लोगों को दे रही हैं। वहीं मोदी सरकार द्वारा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दे रही हैं। विधायक रेणुका सिंह पूरे लोकसभा क्षेत्र में बैठक लेकर बूथ जीतो, चुनाव जीतो का

मूलमंत्र भी दे रही हैं। गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा सीटें आती हैं। जिनमे देवघर, मधुपुर, जरमुंडी, पोड़ैयाहाट, महागामा और गोड्डा विधानसभा शामिल हैं।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री व विधायक रेणुका सिंह ने गोड्डा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध बैद्यनाथ धाम देवघर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। वहीं अबकी बार 400 पार का नारा पूरा करने के लिए भोलेनाथ से प्रार्थना की। इसके अलावा रेणुका सिंह ने बासुकीनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना की। बासुकीनाथ मन्दिर का इतिहास सागर मंथन से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए वासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने एलआईसी को पाया सेवा में कमी का दोषी

■ परिवादी को 14 लाख रुपए बीमा धन के साथ मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद व्यय देने का दिया आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने भारतीय जीवन बीमा निगम को दावा निरस्त कर सेवा में कमी का दोषी पाया है। इसके साथ ही बीमित के नामीनी को बीमा दावा राशि 14,00,000 रुपए के साथ बतौर मानसिक क्षतिपूर्ति 15,000 एवं 3,000 रुपए वाद व्यय देने का आदेश पारित किया है।

नया बाराद्वार निवासी परिवादिनी फुलेश्वरी बाई के पति बुटानु भैना ने अपने जीवनकाल में भारतीय जीवन बीमा निगम की। 8 और 6 लाख की दो पॉलिसियां ली थी। बिमित की मृत्यु के पश्चात नामिनी के तौर पर दर्ज परिवादिनी ने बीमा दावा प्रस्तुत किया था। इसे भारतीय जीवन बीमा निगम ने इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि बीमा धारक ने बीमा प्रस्ताव में पूर्व के इलाज एवं अपंगता के संबंध में गलत जानकारी दी गई थी। जिस पर परिवादिनी ने जांजगीर-चांपा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया था।

जिला आयोग के समक्ष बीमा निगम ने वही आधार प्रस्तुत किया, जिस पर दावा निरस्त किया गया था। जिला आयोग ने सुनवाई पश्चात भारतीय जीवन बीमा निगम के दावा निरस्ती को सेवा में कमी का दोषी पाते हुए कुल बीमाधन 14,00,000 रुपए के साथ 15,000 रुपए मानसिक क्षतिपूर्ति एवं 3,000 रुपए वाद व्यय देने का आदेश पारित किया। जिसे भारतीय जीवन बीमा निगम के द्वारा राज्य आयोग के समक्ष चुनौती दी थी। अपील की सुनवाई के दौरान राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया एवं सदस्य प्रमोद कुमार वर्मा की पीठ ने यह पाया कि भारतीय जीवन बीमा निगम के एजेंट एवं डॉक्टर द्वारा बीमित के भौतिक परीक्षण उपरांत ही बीमा प्रस्ताव को बीमा निगम द्वारा स्वीकार कर दोनों पॉलिसियां जारी की गई थी। अत: भारतीय जीवन बीमा निगम बीमा दावा हेतु देनदार है। इस तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम की अपील को निरस्त कर जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश की पुष्टि करते हुए 45 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किए जाने पर उक्त राशि पर आदेश दिनांक से भुगतान दिनांक तक 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज देय का आदेश दिया।

सामग्री खरीदी के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

रायपुर। वित्त विभाग द्वारा केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 एवं छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 51 के प्रावधानों के अनुसार शासकीय विभागों द्वारा की जाने वाले सामग्री खरीदी एवं सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं को तथा ठेकेदारों को किये जाने वाले भुगतान पर स्त्रोत पर कर की कटौती (जीएसटी-टीडीएस) के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

वित्त विभाग द्वारा समस्त विभाग अध्यक्ष राजस्व मंडल, कमिश्नरों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को इस संबंध में जारी निर्देशों में कहा गया है कि शासकीय विभाग या स्थापना, स्थानीय प्राधिकारी, शासकीय अभिकरण, शासन के किसी भी डीडीओ द्वारा (किसी कराधेय वस्तु या सेवा हेतु) रूपये 2.5 लाख से अधिक भुगतान होने पर, 2 प्रतिशत (1 प्रतिशत

सीजीएसटी + 1 प्रतिशत एसजीएसटी अथवा 2 प्रतिशत आईजीएसटी) की दर से स्त्रोत पर कटौती जीएसटी-टीडीएस किया जाना है।

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सभी शासकीय विभागों तथा स्थानीय प्राधिकारियों को जीएसटी, के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौतीकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन लिया जाना है। विभागों द्वारा खरीदी जाने वाली सामग्री, मशीन-उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी अथवा अन्य कोई भी वस्तुएं, निर्माण कार्यों एवं ठेकों तथा लिये जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवाओं की राशि पर जीएसटी-टीडीएस करने के पश्चात्वर्ती माह की 10 तारीख तक रिटर्न जीएसटीआर-07 में प्रस्तुत किया जाना है।

कई विभागों, कार्यालयों द्वारा (जीएसटी-टीडीएस डेकुटर) के रूप में उक्त प्रावधानों के अंतर्गत जीएसटी पंजीयन नहीं लिया गया है तथा पंजीयन लेने वाले प्राधिकारियों द्वारा सही प्रकार से जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे राज्य शासन को जीएसटी से प्राप्त होने वाले राजस्व की क्षति हो रही है। इस संबंध में विभागों को निर्देशित किया गया है कि समस्त भुगतान कर्ता प्राधिकारियों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा केंद्रीय एवं छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौती के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वस्तु अथवा सेवा प्रदाय कर्ता द्वारा एक वित्तीय वर्ष के दौरान एक ही क्रय/सेवा आदेश के विरूद्ध पृथक-पृथक देयकों में राशि का विभाजन करते हुए जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती हेतु निर्धारित 2.5 लाख की सीमा का उल्लंघन न हो। इसके साथ ही समस्त कोषालयों, उप कोषालयों, निर्माण विभागों, वन विभाग के भुगतान प्राधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा वस्तु एवं सेवा प्रदाय के भुगतान संबंधी प्रस्तुत देयकों में प्रदायकर्ताओं की जीएसटीआईएन को चिन्हांकित करने की व्यवस्था की जाए तथा देयकों के भुगतान के पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रदायकर्ता द्वारा दिया गया जीएसटीआईएन वर्तमान में सक्रिय/वैध हो।

छत्तीसगढ़ की योगा टीम ने नेपाल में जीता गोल्ड मैडल

रायपुर। इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में गोल्ड मैडल हासिल करने वाली छत्तीसगढ़ की योग टीम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि योग टीम के गोल्ड मैडल हासिल करना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, उन्होने टीम के सदस्यों को अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने भी छत्तीसगढ़ की योग टीम की प्रदर्शन की सराहना करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि इस महीने के 9 से 12 मई को नेपाल में आयोजित हुए इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में छत्तीसगढ़ के 10 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगीता में टीम को गोल्ड मैडल से नवाजा गया है। इस टीम के कोच ज्योति दीपक कुंभारे हैं। योगा टीम में दिव्या जैन, प्रीत साव, पुष्पा साव, धमेश, छाया जैन, हेमलता, हर्षा, क्षमता शामिल हैं।

पाकिस्तान के शोषण से पीओके की जनता बेहाल

कुलदीप तलवार

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले कुछ दिनों से आटे की आसमान छूती कीमत और बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन जारी है। वहां की बदहाली का मुख्य कारण पीओके के साथ पाकिस्तान का सौतेला व्यवहार है। पाकिस्तान पीओके के संसाधनों की लगातार लूट में लगा है। इसी नीति के विरोध में यह प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। लोगों का कहना है कि पीओके स्थित मंगला बांध से उत्पादित बिजली की पाकिस्तान में आपूर्ति की जाती है। हमें मिलने वाली सब्सिडी बंद कर बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की गई है। पीओके स्थित मंगला से बांध दो से ढाई हजार मेगावाट बिजली पैदा होती है। इसकी उत्पादन लागत दर ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट है और पाकिस्तान सरकार उपभोक्ताओं से 50 से 60 रुपये प्रति यूनिट वसूल करती है। इस आंदोलन का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी कर रही है। आंदोलन को कुचलने के लिए हजारों की संख्या में रेंजर्स तैनात किए गए हैं। इसमें दोनों तरफ से हुई झड़पों में आंदोलनकारी, रेंजर्स और पुलिस कर्मचारी मारे गए हैं। अब इस मुद्दे की गूंज ब्रिटेन और कई देशों में पहुंच गई है। ब्रिटेन में पाकिस्तान कश्मीर पीपुल्स पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, अब मुजफ्फराबाद में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सेना के कमांडो की तैनाती की जा रही है, जिससे हिंसा और जान-माल के नुकसान की आशंका और ज्यादा बढ़ गई है। पीओके के हालात अब इतने बदहाल हो गए हैं कि वहां के लोग पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ खुली बगावत पर उतर आए हैं। वे खुलेआम कह रहे हैं कि हम भारत में शामिल होना चाहते हैं, कम से कम हमें वहां दो वक्त की रोटी तो मिल जाएगी। यहां जीना दूभर हो गया है। यहां के प्राकृतिक संसाधनों को पाकिस्तान लूट रहा है। वह अपनी जरूरत की चीजें निकाल कर ले जाता है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता। गौरतलब है कि विगत 10 मई को वहां भारतीय तिरंगा लहराए गए। कई जगह पर हमें भारत से मिला दो के नारे लिखे हुए पोस्टर भी लगाए गए। दरअसल पीओके के लोग देख रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर के निवासी शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में खुशहाली और विकास की नई लहर चल पड़ी है। हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में जम्मू-कश्मीर में 38 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ, जो पहले हुए मतदानों से काफी ज्यादा है। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके को 23 अरब पाक रुपये का अनुदान दिया है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। हकीकत तो यह है कि पीओके के लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर अब बिल्कुल भी भरोसा नहीं करते। इसलिए अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पीओके जाकर बातचीत के जरिये वहां की समस्याओं का हल निकालना चाहते हैं। अब देखना होगा कि उनकी बातचीत क्या रंग लाएगी। देखा जाए, तो 1947 के बाद भारत की किसी भी सरकार ने पीओके को पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाने की कोई कोशिश नहीं की। लेकिन हमारी मौजूदा मोदी सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री ने पीओके के संजीदा हालात को देखते हुए कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे हर हाल में पाकिस्तान के चंगुल से निकाल कर रहेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत इसे वापस लेने के लिए ठोस कदम उठाएगा, ताकि इसके दूसरे हिस्से को जम्मू-कश्मीर के साथ मिलाया जा सके। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर के हालात काफी बेहतर हुए हैं। इससे पहले संसद में दो प्रस्ताव भी पास हो चुके हैं। अब पाकिस्तान से हिसाब लेने का समय आ गया है। पीओके में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई वहां के युवाओं को हथियार और प्रशिक्षण देकर भारत के खिलाफ भड़काती है और जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करा रही है। पीओके में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर भी बने हुए हैं। अगर पीओके को कब्जे से छुड़ा लिया गया, तो ये शिविर बंद हो जाएंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि आगामी चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जब नई सरकार का गठन हो जाएगा, तो इसके तुरंत बाद सरकार अपने एजेंडे में पीओके की वापसी को प्राथमिकता में रखेगा।

हाथ में संविधान, निशाने पर दलित-मुसलमान

संजय तिवारी

राहुल गांधी ने इस बार चुनाव प्रचार में नया इतिहास रचा है। महाराष्ट्र और यूपी की जनसभाओं में वो जहां भी गये, उन्होंने अपने हाथ में लेकर भारतीय संविधान की एक कॉपी सबके सामने लहराई।

राहुल गांधी ने संविधान को किसी मजहबी किताब की तरह पेश करने की कोशिश की जिससे उस समुदाय या मजहब के लोग संचालित होते हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि अगर भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब हुई तो वह संविधान को बदल देगी। सवाल यह उठता है कि ऐसा करके वो देश के किस समुदाय को विशेष संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं?

यह बात सही है कि भारत के हर नागरिक पर भारत का संविधान समान रूप से लागू होता है लेकिन देश में एक वर्ग ऐसा है जो मानता है कि यह संविधान उनके मसीहा डॉ भीमराव अंबेडकर ने लिखा है। वोटबैंक की राजनीति के कारण लगातार यह झूठ प्रचारित किया गया है कि भारत के संविधान का निर्माण संविधान सभा ने नहीं बल्कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने किया है। अब यह झूठ इतना गहरे उतर गया है कि राजनीतिक नेताओं में इतनी हिम्मत नहीं बची है कि वो कभी सच बोल सकें।

इस चुनाव में राहुल गांधी इसी झूठ की खेती करने की कोशिश कर रहे हैं। भले ही कांग्रेस के लंबे शासनकाल में डॉ. अंबेडकर हाशिये पर कर दिये गये थे, लेकिन पहले अंबेडकर सिर्फ दलित राजनीति करनेवालों के प्रिय थे, अब संघ समुदाय के भी प्रिय हो गये हैं। कम्युनिस्ट तो भारत में एक अलगावादी सोच को बढावा देने के लिए अंबेडकर को दलितों का मसीहा बनाकर प्रचारित कर रहे थे ताकि यह वर्ग अपने आपको बाकी हिन्दू समाज से अलग कर ले लेकिन संघ ने इनको हिन्दू समाज से जोड़े रखने के लिए अंबेडकर को अपना लिया।

इसका परिणाम यह हुआ कि बीते दस सालों में अंबेडकर के नाम पर मोदी ने जितना काम किया उतना उसके पहले कभी नहीं हुआ। दलित वोटबैंक को साधने के लिए मोदी सरकार ने एससी/एसटी एक्ट का दुरुपयोग रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गये निर्णय को संसद में विधेयक लाकर पलट दिया। बाबा साहेब अंबेडकर भाजपा के लिए नये राजनीतिक मार्गदर्शक बन गये हैं। यही बात कांग्रेस को चला रहे कम्युनिस्टों के लिए परेशान करनेवाली थी इसलिए इस बार चुनाव में उन्होंने दलित वर्ग को भाजपा से तोड़ने के लिए राहुल गांधी को संविधान की कॉपी पकड़ा दी।

अब राहुल गांधी संविधान की कॉपी दिखाकर यही संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो बाबा साहेब के संविधान को बदल देंगे। इसका असर दलित समुदाय पर कितना हुआ है यह तो चार जून का परिणाम बतायेगा लेकिन अपने जीर्णोद्धार के लिए तड़प रही कांग्रेस की कोशिश है कि वह एक बार फिर से दलित और मुस्लिम वोटबैंक को अपने साथ कर ले। अगर ऐसा होता है तो देशभर में उसके पास 30 प्रतिशत का मजबूत वोटबैंक हो जाएगा जिसके बाद उसकी सत्ता में वापसी कोई रोक नहीं पायेगा।

इसी रणनीति के तहत पंजाब में कैप्टन अमरिन्दर को हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाया गया था। पंजाब में 32 प्रतिशत दलित समुदाय के हिन्दू/सिख हैं। कांग्रेस को अनुमान था कि दलित समुदाय से आनेवाले चन्नी को सीएम बनाने से उनकी दोबारा सत्ता में वापसी हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पंजाब में कांग्रेस बुरी तरह हार गयी। पंजाब के वोटबैंक को समझते हुए अरविन्द केजरीवाल ने भी महात्मा गांधी को भुला कर अपने पीछे अंबेडकर की फोटो लगा ली और उन्हें इसका जबर्दस्त फायदा भी मिला।

फिर भी कांग्रेस अपनी दलित मुस्लिम नीति पर कायम है। मोदी के उभार तथा दूसरे दलों द्वारा अंबेडकर पर दावे के बाद से दलित वोटर बंट रहे हैं और सिर्फ दलित वोटों की राजनीति करनेवाले कमजोर पड़ रहे हैं। यूपी से मायावती की पार्टी का लगभग सफाया हो चुका है। हालांकि पूर्वी यूपी में चमार जाति का वोट आज भी मायावती के साथ मजबूती से जुड़ा हुआ है लेकिन पश्चिमी यूपी में जाटव वोट मायावती से खिसक रहा है। इसके पीछे के कारणों में मुस्लिमों से टकराव के कारण मोदी से जुड़ाव और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी भी जिम्मेवार है।

इस बिखरते दलित वोटबैंक ने ही कांग्रेस रणनीतिकारों को प्रेरित किया है कि देश में 16 प्रतिशत दलित वोटबैंक पर धावा बोला जाए। इसके लिए उन्होंने न केवल इसी समुदाय से आनेवाले मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया बल्कि उन अंबेडकर को भी अपना लिया जिनके विकल्प में कभी जगजीवन राम को आगे बढ़ाया गया था। अब कांग्रेस जगजीवन राम वाली समन्वयवादी दलित राजनीति के बजाय अंबेडकरवादी दलित राजनीति को बढावा दे रही है जिसके मूल में अन्य जातियों के साथ संघर्ष करके सत्ता प्राप्ति का सिद्धांत निहित है।

इसके साथ ही कांग्रेस मुस्लिम वोटबैंक को दोबारा अपने पाले में लाना चाहती है। समाजवादी दलों के उभार के साथ ही कांग्रेस को सबसे अधिक नुकसान हुआ वो वह मुस्लिम वोटबैंक का हुआ। अब यूपी बिहार की राजनीति में यादववाद की शक्ल ले चुका समाजवाद अपनी जड़ें जमा चुका है। उसके साथ एकमुश्त मुस्लिम वोटबैंक जुड़ा हुआ है। इसलिए एक रणनीति के तहत कांग्रेस ने जहां दक्षिण में मुस्लिम वोट को अकेले अपने पाले में लाने का प्रयास शुरु किया है वहीं उत्तर में यह काम वह यादव परिवार को साथ लाकर कर रही है।

कांग्रेस के बारे में कहा जाता है कि जब तक उसके पास दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण वोट बैंक रहा उसने साठ साल देश में शासन किया। भाजपा व अन्य छोटे दलों के उभार के साथ न केवल ब्राह्मण मतदाता उसके हाथ से निकल गया बल्कि दलित और मुस्लिम वोटबैंक भी खिसक गया। अब वह इसी में से दो वोटबैंक को दोबारा पाने की कोशिश कर रही है। जहां तक ब्राह्मण मतदाताओं की बात है तो अब दूसरी जातियों में आई राजनीतिक चेतना के बाद उनका वह प्रभाव नहीं रहा जो पहले हुआ करता था। फिर उत्तर भारत में ब्राह्मण भाजपा के साथ मजबूती से खड़े हुए हैं संभवत: इसीलिए कांग्रेस ने ब्राह्मणों पर जोर देने के बजाय दलित और मुस्लिम वोटबैंक पर ध्यान केन्द्रित किया है।

यही कारण है कि राहुल गांधी हाथ में संविधान लेकर चुनावी मैदान में कूद पड़े हैं। इसका एक संदेश दलितों में जाएगा कि संविधान उनकी किताब है जिसमें भाजपा बदलाव करना चाहती है तो दूसरा संदेश मुसलमानों में जाएगा कि कांग्रेस किताब में लिखी बातों को बचाना चाहती है। अगर वो संविधान में लिखी बातों की रखवाली कर रहे हैं तो कुरान में लिखी बातों का सम्मान जरूर करेंगे।

लेकिन कांग्रेस के लिए मुश्किल यह है कि अब भाजपा की दलित राजनीति में गहरी पैठ हो चुकी है। चमार/महार/ जाटव जाति के अलावा अन्य दलित जातियों में इस समय भाजपा लोकप्रिय है। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में देश की कुल 84 सुरक्षित सीटों में 46 अकेले भाजपा ने जीती थी। कांग्रेस के खाते में सिर्फ 5 सीटें आयी थीं। देखना यह होगा इस बार राहुल गांधी द्वारा खुद को संविधान रक्षक घोषित करने से दलित वोटर के मन पर क्या असर होता है।

अब दलित और मुस्लिम वोटबैंक को एक साथ साधने में एक समस्या अंबेडकर के मुसलमानों के बारे में दिये गये वक्तव्य भी हैं। ये विचार अब जनता के बीच पहुंच चुके हैं इसलिए दोनों को एक साथ साध लेना कांग्रेस के लिए इतना भी आसान नहीं रहने वाला है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-7)

गतांक से आगे...

इससे अमृत न तो अग्नि की ओर गिरता है और न वायु की ओर गमन करता है, स्थिर हो जाता है। दृष्टि को दोनों भौंहों के मध्य स्थित करे एवं जीभ को गले की ओर पीछे लौटाकर कपाल कुहर (गले के मध्य तालु) में प्रवेश कराये, इस प्रकार की क्रिया को खेचरी मुद्रा कहते हैं। जो खेचरी मुद्रा को जानता और साधना करता है उसे रोग, मरण, भूख-प्यास और मूर्छा आदि से छुटकारा प्राप्त हो जाता है।

खेचरी मुद्रा जानने वाला न तो रोग से कष्ट पाता है और न कर्मों में ही उसकी आसक्ति होती है तथा उसके पास तक कोई विघ्न भी नहीं पहुँच पाते।

जिसकी साधना करने से चित्त और जिह्वा आकाश में विचरण करते हैं, उस खेचरी मुद्रा को सभी सिद्ध लोग प्रणाम करते हैं।

सिर से लेकर पैर तक शरीर के सभी अंगों का जिनके द्वारा पोषण होता है, उन सभी शिराओं का मूल बिन्दु खेचरी मुद्रा ही है। खेचरी मुद्रा के द्वारा जिस साधक ने जीभ के ऊपर कपाल कुहर को ढक लिया है, उस साधक का रमणी के आलिंगन से भी बिन्दुपात नहीं हो सकता।

जब तक साधक ने खेचरी मुद्रा को बाँध रखा है, तब तक बिन्दु नहीं जाता है और जब तक शरीर में बिन्दु स्थित है, तब तक मृत्यु का क्या भय है? यदि जाज्वल्यमान अग्नितत्त्व में बिन्दुपात भी हो जाये, तो उसको योनिमुद्रा के द्वारा बलपूर्वक रोका और ऊर्ध्वगामी बनाया जा सकता है।

सफेद और लाल दो वर्ण (रंग) का बिन्दु होता है। श्वेत को शुक्ल (शुक्र) नाम दिया गया तथा लाल को महारज कहा गया है। सिन्दूर के समान ज्योतित रविस्थान में रज का निवास स्थान है तथा चन्द्रस्थान में शुक्ल का निवास स्थान है। शुक्ल और रज का संयोग बड़ा कठिन होता है।

क्रमश: ...

आतंकवाद विरोधी दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में हर साल 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार करते समय लिट्टे के आतंकवादियों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी भारत के सबसे कम उम्र में प्रधानमंत्री बने थे। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उन्होने 1984 से 1989 तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा की थी।

आतंकवाद विरोधी दिवस को मनाने के पीछे का उद्देश्य युवाओं को आतंकवाद और हिंसा से दूर करना है। आम लोगों की पीड़ा को उजागर करना और यह दिखाना कि यह कैसे राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक है। इस दिवस को राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ावा देने, आतंकवाद को कम करने और सभी जातियों, पंथों आदि के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

आतंकवाद शब्द एक आपराधिक और हिंसक गतिविधि की ओर संकेत करता है। जो किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह या संगठन द्वारा आम जनता के बीच डर पैदा करने के लिए, सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए, अपने विशेष धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक आदि लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। आतंकवाद सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। बल्कि ये पुरे विश्व की समस्या बन चुकी है। विभिन्न देशों तथा भारत में आतंकवादी समूहों के गठन के कारण भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। पर इन कारणों में मुख्य रूप से सामाजिक-आर्थिक असमानता, भेदभाव, अलगाव, सत्तारूढ़ दल, धार्मिक उग्रवाद और जातीय राष्ट्रवाद के कामकाज से असंतोष शामिल हैं।

आतंकवाद विरोधी दिवस मनाने का उद्देश्य राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों, आतंकवाद के कारण आम जनता को हो रही परेशानियों, आतंकी हिंसा से दूर रखना है। इसी उद्देश्य से स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालयों में आतंकवाद और हिंसा के खतरों पर परिचर्चा, वाद-विवाद, संगोष्ठी, सेमीनार और व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाता है। आतंकवाद विरोधी दिवस शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। आतंकवादी निर्दोष लोगों पर आपदा थोपते हैं क्योंकि उनका ब्रेन वॉश कर दिया जाता है। वे मानते हैं कि यह उनका धार्मिक उद्देश्य है या सिर्फ इसलिए कि उनके पास विवेक नहीं है। उनकी प्रेरणा कुछ भी हो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि उनकी गतिविधियां अनैतिक हैं। देश में आतंकवाद पर अकुंश लगाने के उद्देश्य से 2 अप्रैल 2002 को टाडा के स्थान पर एक नया आतंकवाद निरोधी अधिनियम पोटा लागू किया गया। संसद के दोनो सदनों के संयुक्त अधिवेशन में 26 मार्च 2002 पारित होने के बाद 2 अप्रैल 2002 को राष्ट्रपति के अनुमोदन के साथ ही यह विधेयक एक अधिनियम पोटा के रूप में आस्तित्व में आया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22 के खंड-3,4,5 तथा 6 में निवारक निरोध तत्सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है ।

कट्टरपंथी रईसी बनाम ईरान की उदारवादी जनता

बिक्रम उपाध्याय

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो गयी है। एक दिन पहले उनका हेलिकॉप्टर ईरान के उत्तर पूर्वी इलाके के जंगलों में गिर गया था जिसमें उनके अलावा ईरान के विदेश मंत्री भी सवार थे। उनकी मौत की आशंका और पुष्टि के बीच ईरान में ही दो तरह के लोग सामने आये हैं।

एक ओर वो लोग हैं जो रईसी की मौत पर मातम मना रहे हैं तो दूसरी ओर वो लोग भी हैं जो रईसी की मौत पर राहत की सांस ले रहे हैं। ईरान में इस्लामिक कट्टरपंथ को नयी ऊंचाई पर ले जाने वाले रईसी की मौत से एक ओर जहां ईरान को लेकर विश्व राजनीति पर असर पड़ेगा वहीं घरेलू स्तर पर भी ईरान में उथल पुथल बढेगी।

ऐसे समय जब रईसी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातोल्ला खामनेई के एकमात्र उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित हो रहे थे, उनका ना होना, ईरान में एक बड़ी उथल पुथल का कारण बन सकता है। ईरान पहले से ही अमेरिका और अन्य देशों द्वारा जारी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है और अंदर से भी कई झंझावातों को झेल रहा है। ऐसे में रईसी का न रहना एक संभावित संकट की ओर भी इशारा कर रहा है।

इस्लामिक तालिमात में महारत रखनेवाले 63 वर्षीय रईसी 2021 में ईरान के राष्ट्रपति चुने गए थे। हालांकि ईरानी जनता के एक बड़े वर्ग ने उनका बहिष्कार किया था क्योंकि इस इस्लामिक गणराज्य के इतिहास में तब सबसे कम वोट, लगभग 45 प्रतिशत पड़े थे। लेकिन ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई का उनको समर्थन प्राप्त हुआ और वे राष्ट्रपति के रूप में पदस्थापित हो गए।

राष्ट्रपति बनकर रईसी एक तरफ अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर आगे बढ़े और साथ ही पश्चिम के साथ टकराव की नीति भी कायम रखी तो दूसरी ओर ईरान में कमजोर पड़ रही इस्लामिक क्रांति को

दोबारा से स्थापित करने का प्रयास किया। अभी एक महीने पहले ही रईसी ने इज़राइल पर एक बड़ा हमला करवाया और अमेरिका को भी खुली चुनौती दे डाली थी।

ईरान में रईसी को रूढ़िवादी नेता माना जाता था। उन पर अपनी सरकार में प्रमुख पदों पर अपने रिश्तेदारों की नियुक्ति का भी आरोप लगता रहा, जबकि ईरान की अर्थव्यवस्था एक बड़े संकट का सामना कर रही है। इसके अलावा आसमान छूती कीमतों को लेकर भी ईरान में काफी असंतोष बढ़ने लगा है। सुधारवादी आलोचक बार बार यह कहते रहे कि रईसी के पास किसी भी समस्या का हल नहीं है। हालात इस खतरनाक स्थिति में पहुंचने लगे थे कि 2019 जैसा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन होने की आशंका बढ़ने लगी है।

लेकिन खुमैनी की तरह रईसी भी ईरान पर इस्लामी आदर्शों और प्रथाओं को थोपने पर ही जोर देते रहे। ईरानी विरासत और संस्कृति की रक्षा के नाम पर ईरान में मजहबी राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया जाने लगा। यहाँ तक कि पारंपरिक लोक संगीत और नृत्य पर भी पाबंदी लगा दी गई। सैय्यद इब्राहिम रईसी को अपने पड़ोसियों पर प्रभुत्व जमाने, व्यक्तिगत अधिकारों का दमन करने और युद्ध पर आमादा रहने के लिए भी जाना जाता है।

1970 के दशक में, ईरान भी अन्य यूरोपीय और पश्चिमी समाजों की तरह खुले विचारों का देश था। महिलाएं कार चलाती थीं, स्कूल कालेज जाती थीं, नौकरियां करती थीं और अपनी इच्छा के अनुसार सड़कों पर चलती थीं, लेकिन जब 70 के दशक के अंत में धार्मिक नेताओं का ईरान पर नियंत्रण हुआ तो सारी सामाजिक प्रगति रुक गई। राष्ट्रपति बनने के बाद रईसी ने समाज को दकियानूसी से निकालने के बजाय लोगों को उल्लंघन के लिए दंड देना शुरू कर दिया।

उन्होंने घरेलू विरोध प्रदर्शनों पर कठोर कार्रवाई की। अपने चुनाव के एक साल बाद ही उन्होंने महिलाओं की पोशाक और व्यवहार को प्रतिबंधित करने के लिए ईरान में हिजाब कानून को सख्ती से लागू कर दिया और जब ईरान के युवा वर्ग ने विरोध किया तो उसे कुचल दिया। उसी दौरान एक युवा कुर्द ईरानी लड़की महसा अमिनी को पुलिस हिरासत में मार दिया गया। दर्जनों अन्य लोग भी मारे गए।

राष्ट्रपति बनने के बाद रईसी ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रथाओं का भी खूब उल्लंघन किया। उनके अड़ियल रुख के कारण ही ईरान की परमाणु वार्ता विफल हुई, क्योंकि ईरान लगातार अपनी भूमिगत परमाणु सुविधाओं की स्थापना और विस्तार करता रहा। वह यूरेनियम के भंडार को भी आवश्यकता से कहीं अधिक समृद्ध करने पर जोर देता रहा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के निरीक्षकों को भी ईरान आने की अनुमति नहीं दी। रईसी धीरे-धीरे परमाणु हथियार क्षमता विकसित करने और उसका इस्तेमाल अपने कथित दुश्मन मुल्कों पर करने की नीति पर चलते रहे।

ईरान ने यमन, सीरिया और लेबनान में भी हथियारों की खेप भेजने के लिए लाखों डॉलर खर्च किए। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यूक्रेन में बड़े पैमाने पर नागरिक हताहतों के साथ-साथ सीरिया में अमेरिकी सेना के खिलाफ छिटपुट हमलों में भी ईरानी ड्रोन और मिसाइलों के प्रयोग देखे गए। रईसी ने पश्चिम के प्रतिबंधों को बेअसर करने के लिए चीन और रूस की सहायता ली।

रईसी ने हाल के दिनों में अपनी कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी थी। अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए शायद टकराव का रास्ता छोड़ना जरूरी लगने लगा था। रईसी चीन, सीरिया और वेनेजुएला की मध्यस्थता में सऊदी अरब से अपने रिश्ते सुधारने में लगे थे। उन्होंने अरब के राजनयिकों की मेजबानी भी की। अपने विरोधी अमेरिका के साथ भी अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए ओमान की सहायता ली।

वह अपने परमाणु कार्यक्रम को कम करने और अमेरिकी कैदियों की रिहाई के माध्यम से तनाव कम करने लिए किसी गुप्त समझौते पर भी काम कर रहे थे। शायद उनको उम्मीद थी कि इस तरह के प्रयासों से ईरान में अनियंत्रित मुद्रास्फीति शांत हो जाएगी और डॉलर के मुकाबले रियाल का मूल्यह्रास भी रुक जाएगा और अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित हो जाएगी।

रईसी ने खुद को नई विश्व व्यवस्था में ढालने की कोशिश भी की। उन्होनें चीन, इंडोनेशिया, वेनेजुएला, निकारागुआ और क्यूबा का दौरा किया। जब मौका मिला साम्राज्यवादी शक्तियों की निंदा भी की। उनके नेतृत्व में ईरान को यह उम्मीद थी कि एक दिन पश्चिमी देशों को भी वे यह मानने के लिए मजबूर कर देंगे कि मध्य एशिया में उनको छोड़कर नहीं चल सकते। वो जिन्दा रहते तो इस विरोधाभास को कैसे साधते यह तो पता नहीं लेकिन उनके न रहने से ईरान के भीतर और बाहर उनके समर्थक उदास तो विरोधी खुश दिखाई दे रहे हैं।

आज का इतिहास

1881 अमेरिकी रेड क्रॉस क्लारा बार्टन द्वारा स्थापित किया गया।
1881 यूएस नेशन लॉन टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।
1894 मैनचेस्टर शिप नहर, नॉर्थवेस्ट इंग्लैंड में ग्रेटर मैनचेस्टर को आयरिश सागर से जोड़ता है, आधिकारिक तौर पर खोला गया, उस समय दुनिया में सबसे बड़ी नहर नहर बन गई।
1904 फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन, एसोसिएशन फुटबॉल की शासी निकाय खेल, स्थापना पेरिस था।
1904 पेरिस में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) की स्थापना हुई।
1911 मैक्सिकन राष्ट्रपति पोर्फिरियो डिआज़ और क्रांतिकारीफ्रांसिस्को मादेरो ने दोनों पुरुषों की सेनाओं के बीच लड़ाई को समाप्त करने के लिए स्यूदाद जुआरेज़ की संधि पर हस्ताक्षर किए, और इस तरह मैक्सिकन क्रांति के समापन चरण का समापन हुआ।
1917 संयुक्त राज्य अमेरिका में 1917 में ग्रेट अटलांटा की आग में 300 एकड़ नष्ट हो गए।
1918 अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने महिलाओं को मतदान की अनुमति दी।
1924 शिकागो विश्वविद्यालय के छात्र रिचर्ड लोएब और नाथन लियोपोल्ड, जूनियर। एक रोमांचक अपराध में एक 14 साल के लड़के की हत्या करना एक सटीक अपराध की इच्छा करता है।
1927 यूनाइटेड किंगडम ने राजा अब्दुल अज़ीज़ की संप्रभुता को 20 मई, 1927 को जेद्दा की संधि पर हस्ताक्षर करके हेजाज़ और नेज्द के राज्यों में मान्यता दी। हज्जाज और नेज्द को 1932 में सऊदी अरब के राज्य में मिला दिया गया था।
1937 उत्तरी ध्रुव -1, सोवियत और रूसी मानवयुक्त स्टेशन, 21 मई, 1937 को आर्कटिक महासागर के बहाव वाले बर्फ पर संचालित होने वाले पहले वैज्ञानिक अनुसंधान निपटान बन गए।
1948 चियांग काई-शेल 20 मई, 1948 को चीन गणराज्य के पहले राष्ट्रपति बने। वह कुओमितांग (केएमटी), चीनी राष्ट्रवादी पार्टी के सदस्य थे, और उन्होंने चीन गणराज्य की राष्ट्रीय सैन्य परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 20 साल।
1981 इटली सरकार ने प्रोपेगेंडा ड्यू की सदस्यता सूची जारी की, एक अवैध छद्म-मेसोनिक लॉज जो कई इतालवी अपराधों और रहस्यों को फंसाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को लगा जोर का झटका धीरे से

योगेंद्र योगी

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों को रैफ्री की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है।

पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई, 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोडा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की

गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में ये बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ये भी साफ कर दिया है कि किसी भी इंसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से ये साफ हो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई, जिसके चलते गिरफ्तारी अवैध है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने जो कहा उससे इस बात की रिमांड की कॉपी ना मिलने पर गिरफ्तारी को भी अवैध साबित किया जा सकता है। कोर्ट ने मौलिक अधिकार पर अतिक्रमण करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार, संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 द्वारा ऐसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटना होगा। कोर्ट की इस टिप्पणी से भी साफ हो रहा है कि अगर ऐसा होता है तो उसे इंसान के मौलिक अधिकार का हनन माना जाएगा। फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी, उसके बाद पिछले साल 4 अक्टूबर का रिमांड आदेश और दिल्ली उच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर का रिमांड को वैध करने का आदेश, कानून के विपरीत था और इसलिए इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाना मौलिक और वैधानिक अधिकार है। किसी को भी ऐसे ही नहीं उठा सकते।

सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों आदेशों से स्पष्ट है कि पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आंख बंद करके कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकती। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका क्यों बेचैन?

प्रमोद भार्गव

भारत ने ईरान के साथ चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह के संचालन के लिए एक समझौता किया है। 10 वर्षों के लिए हुए इस समझौते पर दोनों देशों के संधि पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुके हैं। हस्ताक्षर के चंद घंटों बाद ही अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत को चेतावनी दे दी। कहा गया कि तेहरान के साथ व्यापार समझौता करने वाले किसी को भी इससे जुड़े प्रतिबंधों के संभावित खतरों का ज्ञान होना चाहिए। यानी संधि करने वाले ऐसे देश को अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है? हालांकि पटेल ने यह साफ नहीं किया कि समझौते के बाद अमेरिका भारत पर प्रतिबंध की कोई कार्रवाई करने जा रहा है, लेकिन इतना जरूर कहा कि ईरान पर प्रतिबंध जारी रहेंगे। किंतु इस चेतावनी से जुड़े बयान के साथ ही यह भी कहा कि भारत सरकार अपनी विदेश नीति को अपनाने के लिए स्वतंत्र है। भारत के इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह एवं समुद्री संगठन के बीच 13 मई को 10 साल के लिए समझौता हुआ है। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने ईरान पहुंचकर अपने समकक्ष के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। 2016 में भी ईरान और भारत के बीच चाबहार बंदरगाह संचालन हेतु समझौता हुआ था। इस नए समझौते को इसी समझौते का नवीनीकरण होना बताया जा रहा है। अमेरिकी आपत्ति की परवाह किए बिना विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने कहा है कि इस समझौते से बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता खुलेगा। इंडिया पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड करीब 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। भारत सरकार की यह संस्था सागरमाला विकास कंपनी की सहायक कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्ती बंदरगाह को विकसित करने के लिए ही इस कंपनी को अस्तित्व में लाया गया था। इसका लक्ष्य भूमि से घिरे अफगानिस्तान और मध्य-एशियाई देशों के लिए मार्ग तैयार करना है। अमेरिका जो भी सोचे, भारत के लिए यह समझौता एक बड़ा व्यापरिक-सामरिक लाभ तो देगा ही, चीन और पाकिस्तान के परिप्रेक्ष्य में एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी भी है। अतएव पाकिस्तान और चीन की सभी कूटनीतियों को दरकिनार करते हुए भारत ईरान के रास्ते पहुंचने वाले वैकल्पिक मार्ग, अर्थात चाबहार बंदरगाह के अधूरे काम को पूरा करने के समझौते के नवीनीकरण में सफल हुआ है। भारत के लिए चाबहार के मार्फत अफगानिस्तान समेत मध्य-एशियाई यूरोप और रूस तक आयात-निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की पहुंच सुगम होगी। हालांकि ईरान और भारत के बीच हुए इस समझौते के संदर्भ में एक बार फिर अमेरिका का दोहरा रवैया देखने में आया है। अमेरिका दुनियाभर के देशों को ईरान और रूस के साथ व्यापार नहीं करने के लिए धमकी देता रहता है। वहीं अमेरिका खुद दो साल से चल रहे रूस से यूक्रेन के युद्ध के बावजूद रूस से यूरेनियम खरीदता रहा है। अब जाकर 13 मई को रूस में उत्पादित न्यूनतम समर्थित यूरेनियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। बहरहाल, भारत के ईरान से हुए इस समझौते से दुनिया को संदेश मिल गया है कि भारत किसी भी महाशक्ति की धमकी में आने वाला देश नहीं रह गया है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी कमजोरी है वोट बैंक की राजनीति

सुधांशु रंजन

ए. डी. लिंडसे ने अपनी मशहूर किताब 'मॉडर्न डेमोक्रेटिक स्टेट' में एक घटना का जिक्र किया है। 14वीं सदी में हॉलैंड (नीदरलैंड) में सिटी काउंसिल में निर्णय एकमत से लेने की परंपरा थी। एक सदस्य ऐसा था जो हर प्रस्ताव, हर निर्णय से असहमति जताता था। इस कारण कोई निर्णय हो ही नहीं पाता था। हालत यह थी उस वजह से बजट तय नहीं हो पा रहा था। आखिर बाकी सभी सदस्यों ने फैसला किया कि अगली बैठक में उसे बाहर रखा जाएगा। इसके लिए योजना बनाई गई कि उसे सूचना बैठक से कुछ देर पहले दी जाएगी। यह समय इतना कम होगा कि वह वक्त से पहुंच नहीं पाएगा। ऐसा ही हुआ। उसे बैठक शुरू होने के ठीक पहले सूचना दी गई।

सूचना पाते ही वह बैठक स्थल की ओर भागा। उसने कपड़े भी नहीं बदले। भागता हुआ वहां पहुंचा। फिर भी थोड़ी देर हो गई। उसने देखा कि दरवाजा बंद है। जोर-जोर से दस्तक दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। वह इतना बैचैन हो गया कि दीवार पर किसी तरह चढ़कर छत पर चला गया और फायर प्लेस के ऊपर धुआं निकलने के लिए जो एक छोटा छेद होता है, उससे घुसकर नीचे कूद गया। जैसे ही वह कूदा, उसे सुनाई पड़ा, 'यह प्रस्ताव निर्विरोध पारित किया जाता है।' वह चिल्लाया, 'नहीं, नहीं, मैं सहमत नहीं हूं। मैं इसका विरोध करता हूं।' उसे कुछ भी पता नहीं था कि वह प्रस्ताव किस बारे में है, लेकिन उसने असहमति दर्ज कर दी। इस पर एक अन्य सदस्य को इतना गुस्सा आया कि उसने तलवार निकाली और उसकी गर्दन पर ऐसा प्रहार किया कि उसका सिर धड़ से अलग हो गया।

इस घटना से एक सिद्धांत का प्रतिपादन हुआ कि मतैक्य पर जोर देने से रक्तपात होता है। यानी इसकी परिणति समरसता में नहीं बल्कि हिंसा में होती है। तो विकल्प क्या है? दूसरा सर्वोत्तम विकल्प बहुमत है। यानी सर्वसम्मति न बन पाए तो फैसला बहुमत से हो। लोकतंत्र इसी बहुमत के सिद्धांत पर आधारित है।

भारत में दुर्भाग्य से लोकतंत्र का मतलब केवल चुनाव रह गया है। जन-प्रतिनिधित्व कानून और चुनाव आचार संहिता में धर्म, जाति, भाषा आदि के नाम पर वोट मांगना अवैध है और यह प्रमाणित होने पर किसी का भी चुनाव रद्द किया जा सकता

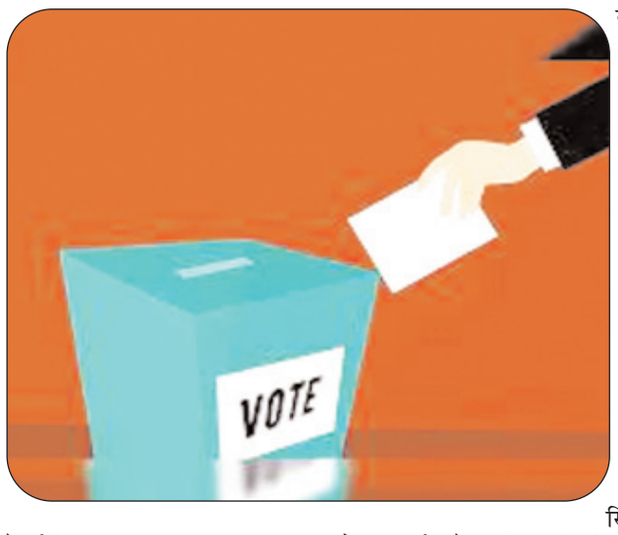

है। लेकिन आजकल चुनाव का आधार केवल धर्म और जाति हो गया है। भाजपा पर विपक्ष का आरोप है कि उसने वोट के लिए हिंदुत्व का सहारा लिया। बहुसंख्यकवाद की राजनीति का विरोध करने वाले खुद संख्या की राजनीति में उलझकर जातिवाद को हवा दे रहे हैं। राहुल गांधी का नारा है ङ्क जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। अधिकतर विपक्षी दलों ने अपने घोषणापत्रों में जाति जनगणना कराने और आरक्षण की सीमा को 50% से ऊपर ले जाने का वादा किया है। यह बहुसंख्यकवाद नहीं तो और क्या है?

दरअसल, लोकतंत्र का यही संकट है। जब संख्या किसी के पक्ष में होती है तो वह संख्या की बात करता है। लेकिन जब संख्या में कमजोर पड़ने लगता है तो संख्या की राजनीति को नैतिक आधार पर चुनौती देता है। मोहम्मद इकबाल ने इसी आधार पर जम्हूरियत को चुनौती दी, 'इस राज का इक मर्द-ए-फिरंगी ने किया फाश, हरचंद कि दाना इसे खोला नहीं करते/जम्हूरियत इक तर्ज़-ए-हुकूमत है जिसमें बंदों को गिना करते हैं, तोला नहीं करते।' संविधान के अनुच्छेद 81 के अनुसार लोकसभा में बढ़ती हुई आबादी का अक्स दिखना चाहिए। इस कारण, हर बार जनगणना के बाद इसकी सीटें आबादी के हिसाब से बढ़ाई जा रही थीं। 1973 में 31वें संविधान संशोधन के जरिए सीटें 525 से बढ़ाकर 545 की गई। लेकिन उसके बाद मुरासोली मारन ने एक प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश किया कि लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाने पर रोक लगाई जाए।

उनका तर्क था कि दक्षिण के राज्यों ने परिवार नियोजन को प्रभावी ढंग से लागू किया जबकि उत्तर के राज्य इसमें नाकाम रहे। इस कारण, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की सीटें काफी बढ़ गईं और राष्ट्रीय राजनीति में उनका दबदबा बढ़ गया। आंध्र प्रदेश की सीट 43 से घटकर 42 हो गई। उनकी मांग मानकर 2001 तक परिसीमन पर रोक लगा दी गई जो आगे और 25 सालों के लिए बढ़ा दी गई। यानी 2026 तक इस पर रोक है। हिंदी को राजभाषा बनाने का तमिलनाडु में सबसे ज्यादा विरोध हुआ। अन्नादुरै खुलकर इसके खिलाफ खड़े हो गए। जब उनसे कहा गया कि हिंदी बोलने वाले देश में सर्वाधिक हैं, तो उनका जवाब था कि इस तर्क से तो कौवे को राष्ट्रीय पक्षी होना चाहिए, मोर को नहीं। हालांकि तमिलनाडु में 69% आरक्षण है जो लंबे समय से सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

मामला दरअसल सुविधा के तर्क का है। जहां संख्या बल हो, वहां संख्या की बात और जहां संख्या न हो वहां नैतिकता और योग्यता की बात। बिहार में 1990 से लगातार सामाजिक न्याय की बात करने वालों की सरकार है। देश की 70% आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यानी बिहार में लगभग 70% वे लोग हैं, जो 1990 के बाद पैदा हुए। अगर उन सबको शिक्षा भी दे दी जाती तो बिहार का स्वरूप आज कुछ और होता।

आज चुनाव जीतने के लिए जहर फैलाया जाता है। देश में अवसर की समानता न होने के कई कारण हैं जिनमें जाति भी एक है। परंतु जाति को एकमात्र कारक बताना अपनी असफलताओं पर पर्दा डालना है। चुनाव जीतना भी जरूरी है लेकिन केवल चुनाव जीतना ही लोकतंत्र नहीं है। आज नहीं तो कल सोचना होगा कि समाज में समता और समरसता लाने के बेहतर तरीके क्या हैं।

किन राज्यों में लग सकता है भाजपा को झटका?

अजय सेतिया

चौथे चरण की वोटिंग तक उत्तर प्रदेश की 39 सीटों पर चुनाव हुआ है। बाकी 41 सीटों पर चुनाव होना बाकी है। विपक्ष ऐसा मान कर चल रहा है कि वह 25 सीटें जीत रहा है, जबकि एनडीए 55 सीटों पर अटक जाएगी। कांग्रेस समर्थक एक अखबार ने दावा किया है कि भाजपा को 54 सीटें मिलेंगी और उसका सहयोगी सिर्फ एक सीट जीत पाएगा। वैसे तो हर कोई यह मान कर चल रहा है, बल्कि भाजपा के भीतर भी यह माना जा रहा है कि भाजपा को उसके गढ़ राजस्थान में कुछ सीटों का नुकसान हो सकता है। इसके अलावा भाजपा को बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी नुकसान होने का अनुमान है। एनडीए को कुल नुकसान 30 सीटों तक का हो सकता है, जिसमें भाजपा की 15 तक सीटें तक कम हो सकती हैं।

लेकिन कांग्रेस का अंदरुनी आकलन देने वाले अखबार ने लिखा है कि एनडीए को बिहार में 16 सीटों का, कर्नाटक में 15 सीटों का और महाराष्ट्र में 24 सीटों का नुकसान हो सकता है। यह एनडीए को 30 सीटों के नुकसान के भाजपा के आकलन के मुकाबले 55 सीटों का नुकसान बता रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भी एनडीए को 9 सीटों का नुकसान बताया है। आम धारणा और भाजपा के अपने आकलन के विपरीत कांग्रेस का राजस्थान में चार, और हरियाणा में पांच सीटें जीतने का आकलन है। राजनीतिक दलों के अपने आकलन अमूमन पार्टी काडर के फीडबैक पर आधारित होते हैं, जो अक्सर गलत साबित होते है। वैसे भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी अब यह दावा नहीं कर रहा कि वे 370 सीटें जीतने जा रहे हैं, या एनडीए 400 का आंकड़ा छूने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अब अपनी रैलियों में अबकी बार चार सौ पार का नारा नहीं लगवा रहे, बल्कि एक बार फिर मोदी सरकार के नारे लगवा रहे हैं।

नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा है कि सत्रहवीं लोकसभा में भी एनडीए और एनडीए के सहयोगियों के पास 400 का आंकड़ा था, इसलिए उन्होंने कोई बहुत बड़ा टार्गेट सेट नहीं किया है कि जिसे हासिल नहीं किया जा सकता हो। नरेंद्र मोदी ने जब सत्रहवीं लोकसभा के आंकड़े का जिक्र किया तो उन्होंने एनडीए की 353 सीटों में बीजू

जनता दल की 12, वाईएसआर कांग्रेस की 22 और टीडीपी की तीन सीटें भी जोड़ी थीं, जो पिछले पांच साल करीब करीब हर बिल पर उनकी सरकार के साथ खड़ी दिखाई दी थी। इस लोकसभा चुनाव में टीडीपी तो एनडीए में शामिल हो कर चुनाव लड़ रही है, लेकिन वाईएसआर और बीजू जनता दल साथ चुनाव नहीं लड़ रहे। यह बात अलग है कि चुनाव के बाद कांग्रेस से दूरी बनाने वाले ये दोनों दल मोदी सरकार को फिर से समर्थन दे सकते हैं, लेकिन इन दोनों ही दलों की स्थिति सत्रहवीं लोकसभा के मुकाबले कमजोर होने वाली है।

मोदी जब टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल को साथ जोड़ कर 400 का टार्गेट सामने रखने की बात करते हैं, तो मोदी का टार्गेट कोई बहुत बड़ा नहीं दिखता। इसमें कोई संदेह नहीं लगता कि भाजपा बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान में होने वाले संभावित 30 सीटों के नुकसान की भरपाई उड़ीसा, बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पूर्वोतर के आठ राज्यों से होने का अनुमान लगा कर चल रही है। भाजपा का उड़ीसा में आठ से बढ़ कर 15, बंगाल में 18 से बढ़कर 24, आंध्र प्रदेश में टीडीपी, जन सेना और भाजपा मिल कर 25 में से 20-22 सीटें जीतने का आकलन है, जबकि तेलंगाना से भाजपा को चार से बढ़कर आठ सीटें जीतने का आकलन है। पूर्वोत्तर में पिछली बार भाजपा को 25 में से 15 सीटें मिली थीं, भाजपा एनडीए को 20 सीटें मिलने का अनुमान लगा रही है। बंगाल को लेकर परस्पर विरोधी दावे हैं, लेकिन आंध्र, तेलंगाना और उड़ीसा को लेकर किसी को कोई भ्रम नहीं कि इन तीनों ही राज्यों में भाजपा और एनडीए पहले से मजबूत होने जा रहा है। भाजपा छत्तीसगढ़ और झारखंड में बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रही है।

कांग्रेस को दक्षिण के चार राज्यों केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना से बहुत उम्मीदे हैं। केरल में एलडीएफ और यूडीएफ जितनी भी सीटें जीतेंगे, वे सब इंडी एलायंस में जाएँगी और कांग्रेस का आकलन है कि सभी 20 सीटें दोनों मोर्चे जीतने जा रहे है, वहां भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा। इसी तरह तमिलनाडु की भी सभी 39 सीटें इंडी एलायंस अपने खाते में मान रहा है। कांग्रेस के हिसाब से अन्ना द्रमुक या भाजपा के गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिलेगी। कर्नाटक में कांग्रेस का आकलन 28 में से 18 सीटें जीतने का है, इसी तरह तेलंगाना में उसका आकलन 17 सीटों में से 15 सीटें जीतने का है, जबकि कांग्रेस के हिसाब से भाजपा की सीटें चार से घटकर दो हो जाएँगी और भारत राष्ट्र समिति खाता भी नहीं खोल पाएगी। ये दोनों राज्य कांग्रेस पिछले एक साल में जीती है। दोनों ही पक्षों के लिए सबसे ज्यादा अहम है उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश को लेकर दोनों पक्षों की ओर से परस्पर विरोधी दावे और आकलन है। पिछले लोकसभा चुनाव में जब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने मिल कर चुनाव लड़ा था, तब भाजपा की सीटें 71 से घटकर 62 हो गई थी, जबकि उसके सहयोगी अपना दल ने अपनी दोनों सीटें बरकरार रखी थी। उस गठबंधन का सबसे ज्यादा फायदा बसपा को मिला था, जिसकी सीटें शून्य से दस हो गई थीं। समाजवादी पार्टी भले ही अपनी पांच सीटें बरकरार रख पाई थी, लेकिन उसका वोट 2014 के मुकाबले 4.24 प्रतिशत घटकर 18.11 प्रतिशत रह गया था, और यह इसके बावजूद हुआ था कि मुलायम सिंह ज़िंदा थे और जो पांच सीटें सपा जीती थीं, उनमें से एक पर खुद मुलायम सिंह और एक पर खुद अखिलेश यादव जीते थे। कांग्रेस का वोट भी घटकर सिर्फ 6.36 प्रतिशत रह गया था। कांग्रेस- सपा मिल कर इस बार 80 में से 25 जीतने का दावा कर रहे हैं। कांग्रेस ऐसा दावा कैसे कर रही है, जबकि उसकी सहयोगी सपा 2019 के मुकाबले कमजोर हुई है। राष्ट्रीय लोक दल, सुभासपा और निषाद पार्टी के बाद महान दल और जनवादी पार्टी ने भी सपा से अलग हो कर भाजपा का दामन थाम लिया है। अपना दल कमेरावादी पार्टी ने भी सपा का दामन छोड़ दिया है। ये सभी छोटे छोटे दल अलग अलग पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

अमेठी में कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश के अमेठी संसदीय क्षेत्र को इस बार फिर से स्मृति ईरानी बनाम राहुल गांधी के चुनावी मुकाबले की उम्मीद थी लेकिन यह उम्मीदें तब धराशायी हो गयीं जब कांग्रेस ने सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के रूप में काम करने वाले केएल शर्मा को चुनाव में उतार दिया। स्मृति ईरानी ने इस पर कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि डरो मत लेकिन यहां से चुनाव लड़ने की उन्होंने हिम्मत नहीं दिखाई। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि जब केएल शर्मा ही स्मृति ईरानी को हरा सकते हैं तो राहुल गांधी को यहां से उतारने की जरूरत ही नहीं थी। हालांकि इस इलाके में घूमने के बाद हमें महसूस हुआ कि यदि कांग्रेस यहां से राहुल गांधी को उतारती तो नतीजा उसके पक्ष में जा सकता था क्योंकि यहां बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जोकि गांधी परिवार से जुड़े रहे हैं और उनका कहना था कि हमने अपनी नाराजगी पिछले चुनाव में दिखा दी थी अगर इस बार राहुल यहां से आते तो हम उन्हें ही चुनते क्योंकि उनके परिवार ने इस क्षेत्र के लोगों के लिए काफी कुछ किया है। स्मृति ईरानी के लिए जहां भाजपा का पूरा आलाकमान प्रचार कर रहा है और प्रदेश पार्टी नेतृत्व से जुड़े लोगों ने भी अमेठी में भाजपा के किले को बचाने के लिए पूरा जोर लगाया हुआ है वहीं कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के तमाम नेताओं की फौज खड़ी कर रखी है ताकि केएल शर्मा यह सीट फिर से कांग्रेस की झोली में डाल सकें। इस क्षेत्र के चुनावी मुद्दों और माहौल को जानने के लिए जब मीडिया की चुनाव यात्रा यहां पहुँची तो हमने पाया कि अधिकांश लोग यह मान रहे हैं कि स्मृति ईरानी यहां हमेशा सक्रिय रही हैं और छोटे बड़े कार्यकर्ताओं के यहां ही नहीं बल्कि आम लोगों के घर जाकर उनका दुख-दर्द दूर करने का प्रयास करती रही हैं। लोगों ने यह भी कहा कि स्मृति ईरानी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी बड़ी संख्या में लोगों को दिलाया है। लेकिन हमें कुछ लोग ऐसे भी मिले जोकि स्मृति ईरानी के व्यवहार की शिकायतें कर रहे थे। इन लोगों का कहना था कि वह गुस्से में रहती हैं और सबके सामने डांट देती हैं। हमने जब युवाओं से बात की तो अधिकांश युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार से नाराज नजर आये। इन युवाओं का कहना था कि यह सही है कि मोदी जी ने कई बड़े काम किये हैं लेकिन युवा के लिए परीक्षा और नौकरी हासिल करना बेहद बुनियादी चीज है लेकिन पेपर लीक हो जा रहा है और भर्तियां निकल नहीं रही हैं। इस तरह की नाराजगी को दूर करने के लिए भाजपा संगठन के नेता तमाम प्रयास कर रहे हैं। भाजपा जानती है कि अमेठी से पहले भी एकाध बार अन्य प्रत्याशी जीतते रहे हैं लेकिन अगले चुनाव में यह सीट फिर गांधी परिवार के पास आ जाती है इसलिए पार्टी सारे समीकरण साधने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। जब हमने लोगों से केएल शर्मा के बारे में पूछा तो सभी ने कहा कि यह सही है कि वह कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को पहचानते हैं लेकिन वोट सिर्फ कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को नहीं बल्कि पूरी जनता को देना है। लोगों ने कहा कि आम जनता से केएल शर्मा का कोई वास्ता नहीं है। वह यहां के गली-मोहल्लों को जानते होंगे लेकिन लोगों से उनका कोई सीधा संवाद नहीं है। कई लोगों ने बताया कि वह यहां तभी आया करते थे जब गांधी परिवार का कोई व्यक्ति यहां आने वाला हो। दूसरी ओर स्मृति ईरानी के बारे में लोगों का कहना था कि उन्हें सब जानते हैं और वह सबको जानने लगी हैं और अब तो उन्होंने अपना स्थायी आवास भी यहां पर बना लिया है जिससे जब भी कोई काम पड़ेगा तो हमें दिल्ली जाने की बजाय यहीं पर अपने जनप्रतिनिधि से मिलकर समस्या का समाधान निकलवाने का अवसर प्राप्त हो सकेगा। इस क्षेत्र में यादव और मुस्लिम मतदाता बड़ी संख्या में हैं जब हमने उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि यादव समाज का सारा वोट समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन को नहीं बल्कि भाजपा को जायेगा क्योंकि उसने इस क्षेत्र के विकास के लिए कई काम किये हैं।

पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए वैशाख अमावस्या के दिन जरुर करें ये उपाय

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का काफी महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 12 अमावस्या तिथियां पड़ती हैं। वैशाख माह की अमावस्या इस साल 8 मई को है। पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए करें ये उपाय मिलेगी मुक्ति। आइए जानते हैं वैशाख अमावस्या के दिन किए जाने वाले कुछ खास उपाय।

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। वैशाख में पड़ने वाली अमावस्या का काफी महत्व होता है, इसे वैशाख अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के बाद यानी अगले दिन अमावस्या तिथि आती है। ज्योतिष के अनुसार, इस तिथि पर पितरों की पूजा और तर्पण करने का विधान है। वहीं इस दिन पितरों का श्राद्ध भी किया जाता है। वैशाख माह की अमावस्या के दिन कुछ उपाय करने से पितृ दोष से मुक्ति पाई जाती है। इसके अलावा भी कई लाभ भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वैशाख माह की अमावस्या इस साल 8 मई यानी बुधवार को है। आइए जानते हैं वैशाख अमावस्या के दिन किए जाने वाले कुछ खास उपाय।

धन लाभ के उपाय

इस दिन आप एक लाल रंग के कपड़े में कपूर और अलसी के बीज बांधकर उसे कलावे से लपेट लें और फिर उस पोटली को पवित्र नदी के जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से धन बाधित करने वाले दोष दूर होंगे। वहीं घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन आने के रास्ते खुलेंगे। धन लाभ और धन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही खर्च और कर्ज के बोझ से भी छुटकारा मिल जाएगा।

वैशाख अमावस्या के दिन पितृ दोष के उपाय

वैशाख अमावस्या के दिन पीपल के पेड के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाकर पीपल की 11 परिक्रमा करें। इसके अलावा, घर की दक्षिण दिशा में एक मुट्ठी तिल सरसों के तेल में भिगोकर रखें। दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में इस उपाय को करने से पितृ प्रसन्न होकर कृपा बरसाएंगे। इसके साथ ही, पितृ दोष से छुटकारा मिल जाएगा। पितरों के आशीर्वाद से घर-परिवार में शुभता आएगी।

बुरी नजर के उपाय

वैशाख अमावस्या के दिन बुरी नजर से बचने के लिए कपूर, तेजपत्ता और पीपल का पत्ता लें और उन्हें साथ पीस लें। उसके बाद उस पाउडर को काले कपड़े में बांधे और घर में जिसे भी बुरी नजर लगी हो उसके ऊपर से उसारें। फिर इसके बाद उस पोटली को घर से दूर लेजाकर पीपल के पेड़ के पास जला आएं। इससे बुरी नजर का प्रभाव खत्म हो जाएगा।

पति-पत्नी के बीच कम हो गया है प्यार, तो घर पर रखिए चांदी का मोर

रिश्ते में हमेशा मिठास बनाए रखना बहुत मुश्किल होता है खासकर रिलेशनशिप में यह एक ऐसा रिश्ता है अगर इसमें पॉजिटिविटी ना हो तो दरार आने लगती है। वही आज हम वास्तु के नियम अनुसार, बता रहे हैं कि घर में रखी चीज सुख-समृद्धि का संकेत देती है। अगर आपके घर में सही दिशा में चीज नहीं रखी गई है, तो व्यक्ति का नुकसान होता है यह केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि पारिवारिक संबंध को भी प्रभावित करता है। वहीं, इसके विपरीत कुछ ऐसी चीज भी है जिन्हें घर में रखने पर शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यदि आप चांदी का मोर घर में रखते हैं, तो इस शुभ माना जाता है यह देवी देवताओं को प्रिय होता है।

दंपति जीवन खुशहाल

दांपत्य जीवन की कड़वाहट को दूर करने के लिए आप अपने घर में चांदी का मोर रख लीजिए। वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार, यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार और शांति बनाता है।

नेगेटिविटी दूर

यदि आपके घर में किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर रही है, तो चांदी का मोर रखने से नेगेटिविटी हमेशा दूर रहेगी। इस तरह से आपके घर में सुख-समृद्धि का संचार हमेशा होता रहेगा। इतना ही नहीं व्यक्ति को हर एक कार्य में सफलता मिलेगी।

पूजा घर में रखें

हर घर में पूजा घर तो जरूर बनाया जाता है आप इस घर में चांदी का मोर जरूर रखिए, इसे शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूजा का दुगना लाभ मिलता है और व्यक्ति का जीवन सुखमय गुजरता है।

सिंदूर की डिब्बी

अगर आप अपने घर में हमेशा सुख समृद्धि बनाए रखने के साथ पति-पत्नी के रिश्ते की करवट को दूर करना चाहते हैं, तो शादीशुदा महिलाएं चांदी के मोर को सिंदूर की डिबिया में रखें। इससे अखंड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है।

सही दिशा और सही स्थान पर रखें गणेश जी की ये मूर्ति, सुख-समृद्धि के साथ बना रहेगा सद्भाव

मरगज गणेश जी की मूर्ति घर पर स्थापित करने से तो यह आपके जीवन के कष्टों को दूर करने में सहायता करती है और समृद्धि की वजह बनती है। आज हम आपको इस मूर्ति को घर में स्थापित करने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ज्योतिष और आध्यात्मिक मान्यता के मुताबिक घर में देवी-देवताओं की मूर्ति रखने का सही दिशा और एक अलग तरीका होता है। क्योंकि यदि आप भगवान की मूर्ति को सही दिशा में नहीं रखते हैं, तो आपके घर और जीवन में निगेटिव एनर्जी हो सकती है। घर में रखी देवी-देवताओं की मूर्ति अत्यधिक महत्व रखती है। इन पूजनीय प्रतीकों में मरगज गणेश जी की मूर्ति भी शामिल है। मान्यता के मुताबिक मरगज गणेश जी की मूर्ति घर में सुख-समृद्धि, ज्ञान और परिवार के सदस्यों के बीच सद्भाव बनाए रखने में मदद करती है।

इसके अलावा मरगज गणेश जी की मूर्ति घर पर स्थापित करने से तो यह आपके जीवन के कष्टों को दूर करने में सहायता करती है और समृद्धि की वजह बनती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मूर्ति को घर में स्थापित करने के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मरगज गणेश जी

मरगज गणेश की मूर्ति मिट्टी, कीचड़ और विभिन्न प्राकृतिक तत्वों सहित कई पवित्र सामग्रियों के अनूठे मिश्रण से बनाकर तैयार की जाती है।

भगवान गणेश की पूजा विघ्नहर्ता और सफलता के अग्रदूत के रूप में की जाती है। वहीं भगवान गणेशी की पूजा उद्यम की शुरूआत और शुभ अवसरों पर की जाती है। यह मूर्ति आध्यात्मिक महत्व के अलावा दिव्य गुणों के शक्तिशाली अवतार के रूप में पूजी जाती है।

मरगज गणेश मूर्ति का ज्योतिष महत्व

ज्योतिष के मुताबिक घर में देवी-देवताओं और प्रतीकों का स्थान व्याप्त ब्रह्मांडीय ऊर्जाओं को प्रभावित करने का काम करता है। मान्यता के मुताबिक जब मरगज गणेश की मूर्ति को सही स्थान पर स्थापित किया जाता है और पूरे भक्ति-भाव से इसकी पूजा-अर्चना की जाती है। तब यह आकाशीय क्षेत्र से पॉजिटिव कंपन और आशीर्वाद को आकर्षित करने का काम करती है। इस मूर्ति की उपस्थिति घर में मौजूद अशुभ प्रभावों के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करती है।

घर में आती है समृद्धि

घर में मरगज गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और प्रचुरता बनी रहती है। क्योंकि भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है और इनको विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। शुभ कार्यों की शुरूआत करने के लिए एक शक्तिशाली प्रतीक के तौर पर घर में मरगज गणेश की मूर्ति को स्थापित किया जाता है। वहीं रोजाना गणेश भगवान की पूजा-अर्चना कर जीवन में सफलता, समृद्धि और वित्तीय स्थिरता का आशीर्वाद मांगा जाता है।

बाधाओं को करती है दूर

बता दें कि मरगज गणेश की मूर्ति न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि व्यवसायिक विकास में आने वाली बाधाओं पर काबू पाने के लिए दिव्य प्रतीक के रूप में कार्य करती है। मरगज गणेश जी को बाधाओं दूर करने वाले देवता के रूप में पूजा की जाती है। मान्यता के मुताबिक भगवान गणेश अपने भक्तों के कष्टों को दूरकर उन्हें साहस और ज्ञान प्रदान करते हैं। जो भी व्यक्ति पूरी भक्ति और ईमानदारी से भगवान मरगज की पूजा करता है, वह व्यक्ति की बाधाओं को दूर करने में सफल होते हैं।

सद्भाव को मिलता है बढ़ावा

घर में स्थापिक मरगज गणेश की मूर्ति सद्भाव, शांति और कल्याण को बढ़ावा देती है। इसके अलावा भगवान गणेश को ज्ञान और बुद्धि के देवता के रूप में पूजा जाता है। जो जीवन में संतुलन और महत्व का प्रतीक मानी जाती है। इस मूर्ति की उपस्थिति शांत और सकारात्मक माहौल बनाती है।

आध्यात्मिक विकास को मिलता है बढ़ावा

मरगज गणेश जी की पूजा करने से परिवार को आध्यात्मिक विकास और ज्ञानोदय की सुविधा प्रदान होती है। क्योंकि भगवान गणेश धार्मिकता और आत्म-खोज के मार्ग पर मार्गदर्शन करते हैं। मरगज गणेश की रोजाना पूजा करना आवश्यक है। आप पूजा के दौरान श्रद्धा अनुसार फूल, फल, मिठाइयां और धूप चढ़ा सकते हैं।

ऐसे करें स्थापना

घर में मरगज गणेश जी की मूर्ति का स्थान सकारात्मक प्रभावों को बढ़ावा देने के लिए अहम है। घर के पूर्वोत्तर कोने में या पूजा कक्ष में पूर्व या पश्चिम की ओर मूर्ति को रखना चाहिए। बेडरूम या बाथरूम के आसपास भूलकर भी इस मूर्ति को नहीं रखना चाहिए। अगर कोई भी भक्त घर में सही स्थान और सही दिशा में मरगज गणेश की मूर्ति स्थापिक कर पूजा करता है। तो उसके घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है।

गुरु का राशि परिवर्तन इन 3 राशियों को मिलेगा भर-भर के कष्ट

बृहस्पति को देवताओं का गुरु माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार, देवगुरु को सूर्य से भी ज्यादा अहम माना जाता है, गुरु व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, देवगुरु को बुद्धि, विवेक, यश, सम्मान, धन और संतान का प्रतीक माना जाता है। गुरु के गोचर से इन राशियों को काफी दुख और पीड़ा सहना पड़ सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति को गुरु का दर्जा प्राप्त है। गुरु की गिनती शुभ ग्रहों में होती है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, देवगुरु को बुद्धि, विवेक, यश, सम्मान, धन और संतान का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार गुरु लगभग एक वर्ष के अंतराल पर एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं। वहीं, गुरु को एक राशि में दोबारा से आने में करीब एक साल से ज्यादा का समय लगता है। 1 मई 2024 को गुरु का राशि परिवर्तन हुआ है। मेष राशि की यात्रा को विराम देते हुए गुरु अपने शत्रु की राशि वृषभ में प्रवेश कर लिया है। जानकारी के लिए बता दें कि, वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्र है और गुरु-शुक्र के बीच शत्रुता का संबंध है। गुरु का अपने शत्रु राशि में प्रवेश करने से कुछ राशियों के लिए यह बेहद ही कष्टकारी हो सकता है। बीते 1 मई को देव गुरु वृषभ राशि में प्रवेश तो कर चुके हैं। वहीं 3 मई को गुरु वृषभ राशि में अस्त हो गए है। इतना ही नहीं, नवांश कुंडली में गुरु 18 दिन के लिए नीच के होकर अतिचारी हो गए हैं।

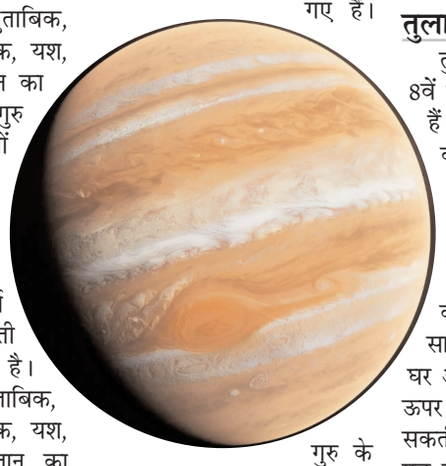

गुरु के अतिचारी होने से कुछ राशि वालों की परेशानियां बढ़ जाएगी। आइए जानते है किन 3 राशियों मुसीबतों का पहाड़ टूटने वाला है।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए गुरु छठे भाव में अतिचारी होकर गोचर हुए हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुंडली का छठा भाव रोग और शत्रु का कारक माना जाता है। धनु राशि वालों की सेहत में गिरावट देखने को मिलेगी। कुछ पुराने रोग दोबारा से उभर सकते हैं। धन हानि हो सकती है जिससे आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र पर आपके शुत्र हावी हो सकते हैं। कार्यों में बांधाएं आएगी और रुकावटें लगेंगी। आत्म विश्वास कम हो जाएगा। छोटी-मोटी दुर्घटना हो सकती है।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए गुरु 8वें भाव में होकर अतिचारी हुए हैं। ऐसे में आपको एक साथ कई तरह की परेशानियां का सामना करना पड़ सकता है। परेशानियों के चक्कर में जातकों के ऊपर अच्छा-खासा दबाव आ सकता है। कार्यक्षेत्र में शत्रुओं का सामना करना पड़ सकता है। घर और कार्य स्थल पर आपके ऊपर नकारात्मक प्रवृति हावी हो सकती है। अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए वित्तीय समस्याओं को झेलना पड़ेगा।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए गुरु तीसरे भाव में अतिचारी होकर भ्रमण कर रहे हैं। ऐसे में यह आपके लिए बिल्कुल शुभ नहीं है। आपको अलग-अलग कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में परेशानियां और रुकावटें आएगी, जिस वजह से आपका मन परेशान हो सकता है। आर्थिक रुप से आपके लिए समय अच्छा नहीं है। धन हानि और सेहत में गिरावट देखने को मिल सकती है।

3बीएचके के घरों में जरूर फॉलो करना चाहिए वास्तु के छोटे-छोटे टिप्स, घर आएगी पॉजिटिव एनर्जी

घर में हमेशा पॉजिटिविटी का एहसास हो। लेकिन ऐसा तभी संभव हो सकता है, जब घर को सजाने के लिए दौरान कुछ छोटी-छोटी चीजों व बातों को ध्यान में रखा जाए। वास्तुशास्त्र के मुताबिक हर दिशा की अपनी एक एनर्जी होती है। हम सभी के लिए घर एक ऐसी जगह होती है, जहां पर जाकर हम सभी सुकून का एहसास करते हैं। हम सभी यह चाहते हैं कि घर में हमेशा पॉजिटिविटी का एहसास हो। लेकिन ऐसा तभी संभव हो सकता है, जब घर को सजाने के लिए दौरान कुछ छोटी-छोटी चीजों व बातों को ध्यान में रखा जाए। वास्तुशास्त्र के मुताबिक हर दिशा की अपनी एक एनर्जी होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए आपको इन दिशाओं के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए। इसके साथ ही अपने घर को भी जरूर देखना चाहिए। वर्तमान समय में लोग 3 बीएचके में रहना ज्यादा पसंद करते हैं। घर के हर सदस्य का अपना अलग कमरा होता है। इस तरह से घर ज्यादा बड़े नजर आते हैं। इसलिए आपको हर कमरे की और उसकी दिशा को ध्यान में रखते हुए वहां पर चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के

बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप 3बीएचके के घर में भी फॉलो कर सकते हैं।

सभी कमरों को न बनाएं बेडरुम

जब लोग 3बीएचके का घर लेते हैं तो सभी कमरों को बेडरूम बना देते हैं। लेकिन आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा किसी एक कमरे को मास्टर बेडरूम बनाना चाहिए। कई बार लोग बार-बार अपना बेडरूम बदलते रहते हैं।

लेकिन ऐसा करने से जीवन में स्टेबिलिटी नहीं आती है। इसलिए प्रयास करें कि घर के एक कमरे को ही मास्टर बेडरूम बनाएं। वहीं घर का सबसे बड़ा कमरा कभी भी बच्चों या मेहमानों के लिए नहीं रखना चाहिए।

ऐसा हो घर का मुख्य द्वार

यदि आपका भी घर 3बीएचके घर है, तो इस बात का ध्यान रखें कि घर के सभी दरवाजों से मुख्य द्वारा सबसे बड़ा होना चाहिए। इतना ही नहीं अगर मुख्य द्वार दो पल्ले का होता है, तो काफी अच्छा माना जाता है। मुख्य द्वार को लकड़ी का बनवाना चाहिए। इससे आपके घर में सकारात्मकता आती है।

बंद न करें खिड़कियां

3बीएचके घर बड़े होने के कारण उसकी खिड़कियां हमेशा बंद रखते हैं। या फिर उन खिड़कियों पर भारी-भरकम परदे लगाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। आप जिस भी कमरे में सोते हैं, उसकी पूर्व दिशा या उत्तर दिशा की खिड़कियां जरूर खोल लेनी चाहिए। अगर पूरा दिन खिड़कियां खोलकर नहीं रख सकते हैं, तो सुबह-शाम खिड़की खोल सकते हैं। क्षिण-पश्चिम दिशा की खिड़की को बंद रखने का प्रयास करें। आपके घर की एंट्री दक्षिण-पश्चिम दिशा के दरवाजे पर स्वास्तिक का निशान बनाएं।

चमत्कारी है कपूर, जीवन को संवारने का काम करता है यह

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का बहुत महत्व है। पूजा के दौरान कई चीजों को शामिल किया जाता हैं जिसमें से एक हैं कपूर। कपूर को बहुत ही ज्यादा शुभ और पवित्र माना गया है। कहा जाता है कि कपूर जलाने से घर की दूषित हवा उड़ जाती है और वातावरण शुद्ध हो जाता है। कपूर शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। ज्योतिष में कपूर से जुड़े कई चमत्कारी उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से जीवन में सुख-शांति का वास होता है और अचानक धन की भी प्राप्ति होती है। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को कपूर के उन्हीं उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो जीवन को संवारने का काम करेंगे। नौकरी समस्याओं को दूर करने के लिए

नौकरी या कार्यस्थल में आप किसी भी प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं , तो कपूर को एक रूमाल में बांध कर अपनी वर्क डेस्?क के पास रख लें।

ऐसा करने से कपूर अपनी सकारात्मक ऊर्जा से आस-पास का माहौल भी सकारात्मक बना देगा।

दांपत्य जीवन में खुशी के लिए

यदि पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़ा हमेशा बना रहता है तो कपूर का यह उपाय कारगर साबित होगा। इसके लिए पत्नी रात को पति के तकिए के नीचे कपूर को रख दें। इसके बाद सुबह जल्दी उठकर बिना किसी टोक के उसे जला दें। ऐसा करने से दांपत्य जीवन में हमेशा प्रेम बना रहेगा और शांति रहेगी। धन प्राप्ति के लिए

तंत्र शास्त्र के अनुसार, अचानक धन प्राप्ति और रुका हुआ धन को प्राप्त करने के लिए गुलाब के फूल में कपूर का टुकड़ा रख दें। फिर शाम के समय फूल में एक कपूर जला दें और फूल को देवी दुर्गा को चढ़ा दें। यह कार्य आप कभी भी शुरू करके कम से कम 43 दिनों तक जरूर करें। अगर आप यह कार्य नवरात्रि के दौरान करेंगे तो इसके और सकारात्मक प्रभाव आपको देखने को मिलेंगे।

नजर उतारने के लिए

परिवार के जिस व्यक्ति को नजर लगने का शक हो, आप उसे सीधा खड़ा करें। इसके बाद कपूर का टुकड़ा लेकर सिर से लेकर पैर तक घड़ी के सुई घूमने की दिशा में तीन बार नजर उतारें। इसके बाद कपूर को वहीं फर्श पर जला दें। ऐसा करते हुए इस बात का खास ध्यान रखें कि कपूर को किसी अंगारे या कागज पर रखकर न जलाएं बल्कि उसे फर्श पर रखकर सीधे ही आग लगा दें। ऐसा करने से उस व्यक्ति के ऊपर से बुरी नजर उतर जाती है और वह पहले की तरह भला-चंगा हो जाता है। घर में सुख-शांति के लिए

घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए हर रोज सुबह-शाम कपूर को घी में भिगोकर जलाएं और पूरे घर में उसकी खुशबू को फैलाएं। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर जाएगी और घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहेगा। इससे घर में हमेशा सुख-शांति का वास होगा और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मतदान के दिन राहुल गांधी ने रायबरेली में डाला डेरा

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को रायबरेली पहुंचे जहां से वह चुनाव लड़ रहे हैं और पीपलेश्वर हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। गांधी केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं जहां से वह मौजूदा सांसद हैं। इससे पहले दिन में, पूर्व कांग्रेस प्रमुख राष्ट्रीय राजधानी से लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। रायबरेली में सोमवार को अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान हुआ। राहुल गांधी ने कुछ मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया और वोट डाल चुके लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां इस साल राज्यसभा का रास्ता अपनाने से पहले उनकी मां सोनिया गांधी पांच बार सांसद थीं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर में 13 लोकसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। इनमें मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, हतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा शामिल हैं।

पुलिस ने केजरीवाल के आवास से सीसीटीवी फुटेज जब्त किए

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल पर कथित हमले की जांच के सिलसिले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने पुलिस पर चुनाव से पहले पार्टी की छवि खराब करने के लिए कहानियां गढ़ने का भी आरोप लगाया। दिल्ली पुलिस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। विशेष रूप से, आप के राज्यसभा सांसद ने अपनी शिकायत में कहा है कि जब वह 13 मई को मुख्यमंत्री के आवास पर गईं तो केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने उन्हें सात-आठ बार थप्पड़ मारे और उनकी छाती और पेट पर बार-बार लात मारी। मालीवाल ने आगे दावा किया कि कुमार द्वारा क्रूर हमला तब भी नहीं रुका जब उसने बताया कि वह अपने मासिक धर्म से गुजर रही थी। हमले के बाद, उसने दावा किया कि उसकी बाँहें दुख रही थीं और उसे चलने में कठिनाई हो रही थी।

सीएम केजरीवाल पर हमले की हो रही तैयारी : संजय सिंह

नईदिल्ली। कथित तौर पर राष्ट्रीय राजधानी के राजीव चौक और पटेल नगर मेट्रो स्टेशनों के अंदर अरविंद केजरीवाल को धमकी देने वाली भित्तिचित्र सामने आए, जिससे आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा मुख्यमंत्री पर हमले की योजना बना रहे थे। आप सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल पर हमले की कथित साजिश प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अंदर रची गई थी। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद से बीजेपी बौखलाई हुई है। आप नेता ने कहा कि बीजेपी अब अरविंद केजरीवाल पर जानलेवा हमला करने की साजिश रच रही है। यह साजिश सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संचालित हो रही है। राजीव चौक और पटेल नगर मेट्रो स्टेशन पर केजरीवाल जी पर हमले की धमकी लिखी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेट्रो ट्रेनों के अंदर धमकी भरे संदेश भी लिखे गए थे।

लखनऊ में राजनाथ सिंह ने परिवार के साथ डाला वोट

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 48 सीटों पर मतदान हुआ। इस चरण में 695 प्रत्याशी मैदान में हैं। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कुल 695 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। सोमवार को केंद्रीय मंत्री, विपक्षी नेता समेत कई बड़े चेहरों ने मतदान किया। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में वोट डाला। वह अपने परिवार के साथ मतदान करने पहुंचे। वोट डालने के बाद उन्होंने लोगों से मतदान करने की अपील की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालने के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। सीएम शिंदे ने कहा कि वोट देने का अधिकार एक बहुत ही मूल्यवान अधिकार है। उन्होंने कहा, आपका एक वोट देश का विकास करेगा और देश को महाशक्ति बनने में मदद करेगा।

महाराष्ट्र के 13 लोस में मतदान भाजपा-ठाकरे में घमासान

मुंबई। शहर में मतदान से पहले लोगों को उनसे मिलने के निमंत्रण को लेकर शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता मंगल प्रभात लोढ़ा के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। ठाकरे ने लोढ़ा पर मुंबई में छद्म अभियान चलाने और चुनाव के दौरान निष्पक्ष आचरण सुनिश्चित करने के लिए लगाई गई आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इस बीच लोढ़ा ने कहा कि लोगों से मिलना-जुलना कोई अपराध नहीं है। एक्स पर आदित्य ठाकरे ने लोढ़ा पर मतदान से पहले उनके साथ बैठक के लिए अपने फाउंडेशन के माध्यम से लोगों को आमंत्रित करने का आरोप लगाया। अपने ट्वीट में उन्होंने भारत के चुनाव आयोग से पूछा कि क्या वह कदम उठाएगा और मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करेगा या क्या वे अन्य उम्मीदवारों को अपने मुद्दों को जानने या बताने के लिए एक ही समय में एक ही स्थान पर जाने की अनुमति देंगे।

संविधान शासन करने का सबसे बड़ा ग्रंथ, प्रधानमंत्री का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

गांधी परिवार की चार पीढ़ियों ने समय-समय पर संविधान का अपमान किया : मोदी

पुरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान संविधान में संशोधन को लेकर कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के खिलाफ अपना हमला तेज करते हुए कहा कि कांग्रेस परिवार की चार पीढ़ियों ने समय-समय पर भारतीय संविधान का अपमान किया है। प्रधान मंत्री मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित गांधी परिवार के चार सदस्यों ने अपने राजनीतिक लक्ष्यों के लिए संविधान के साथ खिलवाड़ किया।

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान के साथ खिलवाड़ करने वाला पहला व्यक्ति यही परिवार है। पंडित नेहरू ने किया। वह पहला संशोधन लाए, जिसका उद्देश्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना था। तब उनकी बेटी (इंदिरा गांधी) ने एक संशोधन लाकर अदालत के फैसले को पलट दिया। उन्होंने अपना पद बचाने के लिए आपातकाल लगाया। फिर उनके बेटे (राजीव गांधी) ने आकर शाह बानो के फैसले को पलट दिया। उन्होंने संविधान बदल दिया। उन्होंने मीडिया पर रोक लगाने के लिए कानून बनाया। उन्होंने 2013 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित अध्यादेश की प्रति फाड़ने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने अध्यादेश वापस ले लिया।

मोदी ने कहा कि फिर उनका बेटा (राहुल गांधी) आया। संविधान के अनुसार बनी कैबिनेट ने फैसला लिया और एक शहजादा ने आकर कैबिनेट के फैसले को सरेआम फाड़ दिया। बाद में कैबिनेट ने भी अपना फैसला पलट दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मन में बाबा साहेब अम्बेडकर और संविधान सभा के माननीय सदस्यों के प्रति अत्यंत सम्मान है जिन्होंने ऐसा संविधान बनाया, जिसने एक चाय बेचने वाले को प्रधान मंत्री बनने का मौका दिया। यही हमारे लोकतंत्र की ताकत है। मेरे लिए संविधान शासन करने का सबसे बड़ा ग्रंथ है। मैं लंबे समय से भारतीय संविधान का जश्न मना रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि, सत्ता, पद और प्रतिष्ठा में

खोए अन्य राजनेताओं के विपरीत, उनका मानना है कि उनका पद एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश राजनेता सत्ता, पद और प्रतिष्ठा में खोये हुए हैं; मैं उससे बहुत दूर हूं. मेरा मानना है कि एक पद एक जिम्मेदारी है; यह प्रतिष्ठा के लिए नहीं बल्कि अपना जीवन बिताने के लिए है। पीएम मोदी ने देश और भारत के पूर्वी हिस्से में महिला शक्ति को आने वाले 25 वर्षों में भारत की प्रगति के लिए दो निर्णायक कारक करार दिया। उन्होने कहा कि मैं आने वाले 25 वर्षों में भारत की प्रगति के लिए दो निर्णायक कारक देखता हूं। पहला है भारत का पूर्वी हिस्सा, जैसे ओडिशा, झारखंड, बिहार, बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश, जो देश का विकास इंजन बनेगा। दूसरी है हमारे देश की नारी शक्ति और उनका सामर्थ्य किस प्रकार निखर कर सामने आ रहा है। जब मैं कहता हूं कि मैं 3 करोड़ लखपति दीदी बनाऊंगा, तो मेरा मानना है कि मुझे सिर्फ अवसर देना है और गांव की बहनें लखपति दीदी बन जाएंगी।

मोदी ने कहा कि लोगों से मुझे जो प्यार और समर्थन मिलता है, वह मुझे अभिभूत कर देता है। किसी राजनेता को जनता का आशीर्वाद मिलना बहुत दुर्लभ है। आज भारत की नारी शक्ति का सामर्थ्य लगातार बढ़ रहा है। उन्हें लखपति दीदी बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। महिलाओं में अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बदलने की क्षमता है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि चौथे चरण के चुनाव से साफ हो गया है कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि चौथे चरण के चुनाव में इंडी गठबंधन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। अभी जो चरण शुरू हुए हैं, वे हमें 400 पार करने की ताकत दे रहे हैं। मैं आज भी मतदाताओं से कहूंगा कि बड़ी संख्या में वोट करें, जी भर कर वोट करें और देश के लिए वोट करें। हम और भी आश्वस्त होते जा रहे हैं कि अगले चरणों में हम 400 से अधिक सीटों का अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे। इससे पहले दिन में, प्रधान मंत्री मोदी ने पवित्र शहर पुरी में एक रोड शो भी किया। उनके साथ पुरी से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) उम्मीदवार संबित पात्रा भी रोड शो में हिस्सा लेते दिखे। पात्रा 2019 में बीजद के पिनाकी मिश्रा से चुनाव हार गए थे। इस बार उनका मुकाबला कांग्रेस के जया नारायण पटनायक और बीजेडी के अरूप पटनायक से है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को ओडिशा में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गुजरात से आया हूं, मैं सोमनाथ की धरती से आया हूं, मैं यहां जगन्नाथ की धरती को प्रणाम करने आया हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जब मैं यहां पर गरीबी देखता हूं तो मेरे दिल में बहुत बड़ा दर्द होता है। उन्होंने कहा कि बीजेडी सरकार की वजह से यहां हमारी माताओं-बहनों को घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। मोदी दिल्ली से आपको मुफ्त चावल देने के लिए पैसा भेजता है, लेकिन यहां की सरकार के लोग उसमें अपना फोटो लगते हैं और आपके हिस्से का चावल बाहर बेच देते हैं। इसलिए, ओडिशा की महिलाओं के लिए भाजपा ने एक बहुत बड़ी योजना बनाई है। भाजपा की सुभद्रा योजना ओडिशा की हर बहन को बहुत मदद करने वाली है। मोदी सरकार ने आदिवासी परिवारों के लिए वनधन योजना बनाई, इसके माध्यम से वन उत्पादों की खरीद एमएसपी पर होती है। पीएम मोदी ने कहा कि देशभर में 3,500 से अधिक वनधन केंद्र हैं। आप यहां भाजपा की सरकार बनाइए, भाजपा ओडिशा के बेटे या बेटी को ही यहां का मुख्यमंत्री बनाएगी। 10 जून को ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा।

ममता पर अधीर रंजन- खरगे के बीच छिड़ी जुबानी जंग थमी!

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- वह लड़ाकू सिपाही

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति ने अलग ही मोड़ ले लिया है, यहां टीएमसी और कांग्रेस की बंगाल इकाई एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के आलाकमान इन सब पर सफाई दे रहे हैं। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी ही पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को फटकार लगाई थी। वहीं, अब उन्होंने चौधरी की प्रशंसा कर उन्हें पार्टी का लड़ाकू सिपाही बताया है।

अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर हमला तेज कर दिया है। उनका कहना है कि बनर्जी ने राज्य में कांग्रेस को कुचलने के लिए हिंसा का इस्तेमाल किया और वह भाजपा की मदद कर रही हैं। इन सबके बीच खरगे ने चौधरी की सराहना की। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस चौधरी के साथ वही गलती कर रही है जो उसने 1998 में बनर्जी के साथ की थी, जब उन्होंने बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं पर वामपंथी अत्याचारों के सामने पार्टी का विरोध करते हुए पार्टी छोड़ दी थी, इस पर खरगे ने कहा, मैं किसी एक व्यक्ति के बारे में कुछ नहीं कहना चाहूंगा। वह कांग्रेस पार्टी के एक लड़ाकू सिपाही और बंगाल में हमारे नेता हैं।

खरगे ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता अब कांग्रेस के गठबंधन का मुद्दा वाम दलों के साथ उठाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इससे मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, वे इसे अलग तरह से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस पार्टी मजबूत है और एक दूसरे को समझती है। पश्चिम बंगाल में क्या हुआ है कि कांग्रेस आलाकमान ने वाम दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है और हम उसी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

बता दें, तृणमूल कांग्रेस राज्य में लोकसभा चुनाव अकेले लड़ रही है जबकि कांग्रेस और वाम

दल संयुक्त रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। खरगे ने शनिवार को मुंबई में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौधरी द्वारा बनर्जी की आलोचना को खारिज कर दिया था।

दरअसल, बहरामपुर से पांच बार लोकसभा सदस्य रहे चौधरी ने बंगाल सीएम पर टिप्पणी की थी कि बनर्जी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था, 'मुझे उन पर (ममता) भरोसा नहीं है। उन्होंने गठबंधन छोड़ दिया है। वो भाजपा की ओर भी जा सकती हैं। वो बाहर (गठबंधन) या अंदर क्या करेंगी। मुझे नहीं पता। ये आपको उनसे पूछना होगा, लेकिन मुझे उन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने गठबंधन छोड़ दिया है। वो भाजपा में भी जा सकती हैं। इंडी गठबंधन आगे बढ़ रहा है और यह सरकार बनाने की कगार पर है और यही कारण है कि एक अवसरवादी राजनीतिक नेता के रूप में उन्होंने अग्रिम समर्थन देने के बारे में सोचा ताकि इंडिया ब्लॉक को उनके समर्थन से उन्हें चुनाव लड़ने पश्चिम बंगाल में मदद मिलेगी। किस बात ने उन्हें गठबंधन छोड़ने के लिए(पश्चिम बंगाल में) प्रेरित किया? यह आज तक उन्होंने स्पष्ट नहीं किया?'

खरगे ने चौधरी की बनर्जी पर की गई टिप्पणी के लिए फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया ब्लॉक के सत्ता में आने की स्थिति में ममता बनर्जी गठबंधन का हिस्सा होंगी या नहीं, इस पर निर्णय लेने वाले अधीर रंजन चौधरी कोई नहीं हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

प्लेऑफ के मैच में केकेआर और एसआरएच का मुकाबला आज

नईदिल्ली। आईपीएल 2024 अपने प्लेऑफ चरण में पहुंच गया है। लीग का आखिरी मैच रविवार 19 मई को केकेआर और राजस्थान रॉयल्स के बीच बरसपारा स्टेडियम में बारिश की भेंट चढ़ गया। अब 21 मई मंगलवार से प्लेऑफ मैच खेले जाएंगे, जिसमें 4 टीमें तय हो चुकी हैं।

आईपीएल 2024 में टॉप पर चार टीमें हैं, जिनमें केकेआर, एसआरएच, आरआर और आरसीबी शामिल हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स 20 अंकों के साथ टॉप पर है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद दूसरे पायदान पर, रॉयल्स की टीम तीसरे जबकि चौथे नंबर पर आरसीबी है।

आईपीएल प्लेऑफ मैचों का आयोजन 21 मई से 26 मई तक होगा। आईपीएल प्लेऑफ मैचों का आयोजन दो वेन्यू पर होगा, पहला क्वालीफायर नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद में खेला जाएगा। जबकि दूसरा क्वालीफायर एमए चिदंबरम स्टेडियम चेन्नई पर खेला जाएगा। एमिमिनेटर मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम अहमदाबाद में खेला जाएगा।

अगर क्वालीफायर-1 एलिमिनेटर और क्वालीफायर-2 में बारिश खलल डालती है तो अंपायरों के पास अतिरिक्त 120 मिनट का समय होगा जिससे वह कम से कम 5-5 ओवर का मैच करा सके। अगर बारिश के चलते 5-5 ओवर भी नहीं हो पाते तो अंपायर सुपर ओवर से रिजल्ट निकालने की कोशिश करेंगे। अगर सुपर ओवर भी नहीं हो पाता तो मैच को अगले दिन के लिए शिफ्ट किया जा सकता है। आईपीएल 2024 के फाइनल मैच के लिए रिजर्व डे है।

21 मई	KKR vs SRH	क्वालीफायर-1
22 मई	RCB vs RR	एलिमिनेटर
24 मई	पहले क्वालीफायर में हारने वाली टीम vs एलिमिनेटर विजेता	क्वलीफायर-2
26 मई	क्वालीफायर-1 विजेता vs क्वालीफायर-2 विजेता।	फाइनल

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

4 जून के बाद तेजी से दौड़ेंगे शेयर बाजार

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 4 जून को चुनाव के नतीजे आने के बाद शेयर बाजार तेज फर्राटा भरेंगे। उन्होंने एक टेलीविजन चैनल पर आज प्रसारित साक्षात्कार में यह भरोसा जताया। मोदी ने कहा, 'आप देखना, जिस दिन चुनाव के नतीजे आएंगे, उस दिन और उस पूरे हफ्ते ट्रेडिंग करने वाले थक जाएंगे।' वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि मौजूदा सरकार की प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी का भरोसा जताने के बावजूद बाजार चुनावी नतीजों के बारे में घबरा तो नहीं रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सबसे ज्यादा आर्थिक सुधार किए हैं और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाली आर्थिक नीतियां लागू की हैं। हमारी सरकार आई तो सेंसेक्स 25,000 अंकों पर था और आज यह 75,000 अंक तक पहुंच गया है।

चौथी तिमाही में 6.2 फीसदी रहेगी भारत की जीडीपी ग्रोथ

नईदिल्ली। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मार्च तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 6.9 से सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने यह अनुमान जताया है। सरकार चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि के शुरुआती अनुमान 31 मई को जारी करेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत, सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सिन्हा ने एक साक्षात्कार में कहा, ''हम उम्मीद कर रहे हैं कि चौथी तिमाही की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत होगी और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल जीडीपी वृद्धि दर करीब 6.9 से 7 प्रतिशत रहेगी।''

इंडिया सीमेंट कंपनी के नेट घाटे में आई कमी

नईदिल्ली। इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड ने आज यानी 20 मई को वित्त वर्ष 24 की मार्च तिमाही के लिए रिजल्ट्स जारी कर दिए हैं। एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में उसका समेकित नेट घाटा पिछले साल की समान अवधि (QyFY23) के मुकाबले कम होकर 50.06 करोड़ रुपये रहा। QyFY23 में सीमेंट कंपनी का नेट घाटा 243.77 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी का नेट घाटा काफी कम हुआ है मगर तिमाही आधार पर इसमें बढ़ोतरी देखी गई है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट घाटा 6.58 करोड़ रुपये रहा था। चौथी तिमाही के दौरान इंडिया सीमेंट्स का ऑपरेशन से रेवेन्यू 1266.65 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1485.73 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही आधार पर देखें तो रेवेन्यू में बढ़त दर्ज की गई है।

इंडस टावर्स में शेयर बेच सकते हैं विदेशी निवेशक

नईदिल्ली। भारत की सबसे बड़ी मोबाइल टावर लगाने वाली कंपनी के शेयरों को लेकर कल यानी 21 मई को एक बड़ी खबर आ सकती है। माना जा रहा है कि ब्लॉक डील के जरिये विदेशी संस्थागत निवेशक इंडस टावर्स के 270 करोड़ रुपये के शेयर बेच सकते हैं। यह ब्लॉक डील 80 लाख शेयरों के लिए हो सकती है। सूत्रों के हवाले से बताया कि कोटक सिक्योरिटीज डील ब्रोकर हो सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले 1 फरवरी 2014 को भी कंपनी के 9.2 फीसदी यानी 24.7 करोड़ शेयरों को निवेशकों ने ब्लॉक डील के जरिये बेच दिया था। ब्लॉक डील की यह रकम 5,229 करोड़ रुपये की थी। हालांकि इन शेयरों का खरीदार और सेलर कौन-कौन था, इसके बारे में कोई जानकारी उस समय साझा नहीं की गई थी।

पैसे बचाने की जगह निवेश की डालें आदत

निर्मल कांत

पैसा बचाना अच्छी आदत है। लेकिन, अगर इस आदत को आप निवेश के रूप में बदल दें तो यह सोने पर सुहागा हो सकता है। निवेश करके आप और ज्यादा पैसा बना सकते हैं, जबकि बचत पैसे को बढ़ा नहीं सकता है। ऐसे में छोटी अवधि से लंबे समय तक के लिएनिवेश की रणनीति तैयार करें।

हम सभी को छोटी उम्र से ही अच्छी आदतें अपनाने की शिक्षा दी जाती है। लेकिन, जीवन मूल्य सिखाने के अलावा हम बच्चों को पैसे बचाने के साथउससे संबंधित जानकारियां देना भूल जाते हैं।हालांकि, बचत करना अब कोई अच्छा विचार नहीं है, खासकर जब हम सभी क्षेत्रों में बढ़ती महंगाई का सामना कर रहे हैं।यहीं पर बच्चों में पैसे से जुड़ी कुछ अच्छी आदतें डालना महत्वपूर्ण हो जाता है। लगातार बढ़ रही महंगाईके इस दौर में धन बनाने के लिए बचत से आगे बढ़ना होगा और निवेश की आदत डालनी होगी।

बचत नहीं करने के कई बहाने

हम सबके पास बचत नहीं करने के कईबहाने होते हैं। जैसे... शुरुआत करने के लिए बहुत पैसे की जरूरत होती है। इसे आप किसी और दिन के लिए टाल देते हैं।इस देरी से आपके वित्तीय लक्ष्यों की समय पर प्राप्ति और उसे पूरा करने के लिए संघर्ष करने के बीच ज्यादा अंतर हो सकता है। ऐसे में सबसे सुविधाजनक और आसान निवेश है...म्यूचुअल फंड।यह जोखिम और निवेश जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है। मैं वेतनभोगी लोगों के लिए म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिये निवेश का समर्थक रहा हूं। निवेश क्षमता के आधार पर हर माह 500

से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। इसमें चुनने के लिए कई प्रकार के फंड हैं। फंड मैनेजर इन्हें प्रबंधित करते हैं।

35 साल में 5,000 बन गया 3.24 करोड़

एसआईपी में नियमित निवेश अजूबे की तरह काम करता है। आपको इसके लिए छोटी उम्र से ही नियमित निवेश की आदत डालनी होगी। इसे उदाहरण से समझें। मान लीजिए, एक निवेशक ने 25 साल की उम्र से एसआईपी की शुरुआत की।वह 5,000 रुपये मासिक निवेश कर रहा है। रिटर्न सालाना 12 फीसदी है।निवेशक जब 60 साल की उम्र का होगा तो उनके पास 3.24 करोड़ रुपये होंगे, जबकि 35 साल में निवेश सिर्फ 21 लाख ही है।

5 साल की देरी...1.48 करोड़ का चपत

अब एक दूसरे निवेशक की बात करते हैं, जिन्होंने 30 साल की उम्र से 5,000 रुपये मासिक निवेश किया। इस निवेश पर भी 12 फीसदी का रिटर्न मान लें तो 30 साल में उनके निवेश का कुल मूल्य 1.76 करोड़ होगा। हालांकि, इस निवेशक ने पहले वाले निवेशक से 5 साल में सिर्फ तीन लाख रुपये ही कम निवेश किया है। लेकिन, उनके निवेश मूल्य में 1.48 करोड़ रुपये की कमी आई है। यह चक्रवृद्धि ब्याज का असर है। इसलिए, जब आप देरी से निवेश की शुरुआत करेंगे तो इसका असर आप पर भी हो सकता है।

अच्छी आदत लंबे समय में देती है लाभ

इस उदाहरण से पता चलता है कि एक अच्छी आदत लंबे समय में कैसे लाभ देती है। मान लीजिए, निवेशक ए 25 साल की उम्र से एसआईपी में 5,000 का निवेश शुरू करता है, लेकिन 50 साल की उम्र में निवेश करना बंद कर देता है। निवेशक बी 35 साल की उम्र से एसआईपी में 10,000 का निवेश 60 साल की उम्र तक करता है। दोगुनी राशि व समान वर्षों के लिए निवेश के बावजूद 60 साल की उम्र में दोनों को अलग-अलग रकम मिलती है। वास्तव में निवेशक ए, निवेशक बी से एक करोड़ रुपये से अधिक कमाता है।

25 वर्षों से जमी बीजद सरकार को उखाड़ फेंकना हैः साय

डबल इंजन सरकार के फायदे समझ चुकी है ओडिशा की जनता, बनाएगी भाजपा सरकार

रायपुर/संबलपुर। जो पच्चीस वर्षों में लोगों की बोली, भाषा, खान-पान, रहन-सहन नहीं सीख पाया वो जनता की जरूरतों को कैसे समझेगा? ओडिशा में नवीन बाबू पच्चीस वर्षों तक जनता के बीच जाने से बचते रहे। उनकी जगह सरकार कोई और चलाता रहा। यही कारण है कि खनिज और वन सम्पदा से भरपूर, मेहनतकश किसान और उच्च सांस्कृतिक-धार्मिक संस्कृति से ओतप्रोत ओडिशा विकास की राह में पीछे रह गया। वक्त आ गया है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार यहाँ नेतृत्व करे और ओडिशा को उस मुकाम पर पहुंचाए, जिसका ओडिशा हकदार है। ओडिशा के संबलपुर लोकसभा के कुचिंदा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीजेडी सरकार को आड़े हाथों लिया और डबल इंजन सरकार बनाने का आग्रह करते हुए भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। उन्होंने केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ आम आदमी को न मिलने का आरोप लगाया और कहा बीजेडी सरकार ने केंद्र की योजना का नाम बदलकर बीजू स्वास्थ्य योजना कर दिया। लेकिन राज्य के प्राइवेट हॉस्पिटल में इसका लाभ गरीबों को नहीं मिलता है। यह दुर्भाग्यजनक है। ओडिशा में पीएम आवास योजना को ठीक से लागू नहीं करने का आरोप भी उन्होंने बीजेडी सरकार पर लगाया।

डबल इंजन सरकार मतलब तरक्की अपार- श्री साय ने ओडिशा की जनता को डबल इंजन सरकार के फायदे गिनाएं और कहा कि मात्र 4 महीने में उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी, 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी और अंतर की राशि 13,320 करोड़ रुपए 24.72 लाख किसानों को देने का काम किया। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने के पहले सप्ताह में 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खातों में एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि देने की बात भी कही। 5550 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदी की बात को बताया। सीएम साय ने कहा कि ओडिशा में भाजपा ने जो घोषणा पत्र बनाया है उसमें प्रदेशवासियों के हित के लिए बहुत कुछ है। भाजपा सरकार बनने पर यहाँ किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान की कीमत मिलेगी, हमारी माताओं को पचास हजार रुपए का वाउचर मिलेगा। बुजुर्ग, दिव्यांग और बुनकरों को तीन हजार रूपया भत्ता मिलेगा। छोटा-मोटा काम करके अपना जीवन-यापन करने वाले लोगों को हमारी सरकार पचास रुपए का लोन देगी। ओडिशा की पच्चीस लाख दीदियों को लखपति दीदी बनाया जाएगा। यहाँ के पांच लाख बेरोजगारों को रोजगार दिया जाएगा।

धर्मेंद्र प्रधान का प्रत्याशी बनना संबलपुर का सौभाग्य

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान और वे साथ-साथ काम किये हैं। लंबे समय से वो केंद्र में मंत्री के रूप में हैं और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। संगठन में भी काम किये हैं। ऐसे अनुभवी नेता आज मोदी जी के प्रत्याशी के रूप में आप सभी की सेवा के लिए खड़े हैं। उन्होंने आगामी 25 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर धर्मेंद्र प्रधान को सांसद बनाने का आग्रह किया।

ओडिशा में 8 पीएम मतलब नो सीएमः मिश्रा

सभा को रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी संबोधित किया। जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की तारीफ करते हुए कहा कि हमारे मुख्यमंत्री से अगर रात में बारह बजे भी कोई आम आदमी मिलने चले जाए तो आत्मीयता से मिलते हैं। लेकिन ओडिशा में सीएम नवीन बाबू तो एट पीएम-नो सीएम हैं। मतलब रात आठ बजे उनसे कोई मिलने चला जाए तो उनका दरवाजा बंद हो जाता है। ऐसे सीएम को हटाना है, ओडिशा में परिवर्तन लाना है।

बीजेडी सरकार की कोई भी योजना नहींः शर्मा

सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मोदी की गारंटी को 5 साल में नहीं बल्कि 3 महीनों में ही पूरा करके दिखाया है। छत्तीसगढ़ में गरीब, किसान, मजदूर और महिलाओं को सशक्त बनाने लिए विष्णु सरकार अनेक जनकल्याणकारी योजना चला रही है। वहीं ओडिशा में बीजेडी सरकार की कोई भी योजना धरातल पर दिखाई नहीं देती है। साथ ही केंद्र की योजनाओं में भी यहां की सरकार द्वारा तरह-तरह की अड़चने डाली गई एवं भ्रष्टाचार किया गया और जब उसमें भी सफल नहीं हो रहे हैं तो मोदी जी की योजनाओं में पटनायक जी अपना फोटो लगाकर क्रेडिट ले रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 25 साल से शासन में होने के बाद भी केवल चुनावों के दौरान ही पटनायक जी को लोगों के बीच देखा जाता है। तालाब का पानी भी यदि हम चेंज नहीं करते हैं तो उसमें से भी बदबू आने लगती है, नहाने लायक नहीं बचता है।

गांधी परिवार का चरण वंदन करने वालों का कांग्रेस द्वारा किया जा रहा सर्वे

छत्तीसगढ़ से जीत रहे पूरा 11 लोकसभा सीट, देश में बढ़ेगा भाजपा का स्कोर केदार कश्यप

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेत्री कुमारी शैलजा के नोटिस सहित अन्य मुद्दों को लेकर बयान दिया।

शैलजा के करीबी व्यक्ति द्वारा छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को मानहानि के नोटिस मामले पर केदार कश्यप ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, अरुण सिसोदिया ने भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नोटिस दिया था, उसका क्या हुआ? कांग्रेसी नेता अपने बुरे कर्मों की वजह चुनाव हार रहे हैं। इस हताशा से कांग्रेस पार्टी उबर नहीं पा रहे हैं। केदार ने कहा कि जनता के साथ कांग्रेस ने गलत किया है तो जनता सजा जरूर देगी।

वनमंत्री केदार कश्यप ने लोकसभा चुनावों के परिणाम को लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीट भारतीय जनता पार्टी जीत रही है। रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा के लोकप्रिय प्रत्याशी श्री बृजमोहन अग्रवाल जी प्रचंड मतों से जीत दर्ज करेंगे। रायपुर लोकसभ सीट देश में सबसे ज्यादा वोटों से जीतने का रिकॉर्ड बनाने वालों की सूची में शामिल होगी।

कांग्रेस पार्टी में चल रहे सर्वे को लेकर केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब खत्म होने की स्थिति में है। इनके पास नेताओं की भारी कमी है। उससे ज्यादा कमी गांधी परिवार के चरण चाटुकारों की है। इसलिए गांधी परिवार का चरण वंदना करने वाले नेताओं का सर्वे कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है। वन मंत्री केदार कश्यप ओडिशा में लगातार जनसंपर्क और विजय संकल्प रैली की। चुनाव परिणाम भाजपा ले पक्ष में है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। वहीं राज्य में कांग्रेस मुकाबले में भी नहीं है, उसे पूछने वाला कोई नहीं है। कांग्रेस पार्टी अपने आंतरिक कलह से निकल नहीं पाई है। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी चुनावी मैदान में बीजू जनता दल की हालत खराब कर दी है। जबकि कांग्रेस बीजू जनता दल से लड़ नहीं पा रही है।

ओडिशा में नवीन पटनायक मुख्यमंत्री है, लेकिन सरकार पांडियन चला रहे हैं। यह हम नहीं कह रहे, प्रदेश की जनता कह रही है। इसको लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि, ओडिशा में भाजपा की लहर है। पूरा माहौल मोदी मय है। ओडिशा की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है।

झारखण्ड को मुक्ति मोर्चा के कुशासन से मुक्त करेगी जनता : राम विचार नेताम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम झारखंड के गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के प्रवासी प्रभारी बनाए गए हैं।यहाँ वह लगातार सघन जनसंपर्क कर रहे हैं. उनके साथ प्रवासी प्रभारी(विधानसभा) के रूप में दीनानाथ यादव, देवेंद्र तिवारी, शैलेष शिवहरे, शशिनाथ तिवारी, ओमप्रकाश जायसवाल, संजय सिंह लगातार विधानसभा स्तर पर जनसंपर्क कर रहे हैं।इस दौरान मंत्री राम विचार नेताम ने कहा, झारखण्ड में जिस ओर जाओ सिर्फ भ्रष्टाचार का बोलबाला है. पिता-पुत्र की जोड़ी ने राज्य के संसाधनों पर जिस तरह सेंध लगाई है, उसे जनता देख रही है. राज्य की जनता ने अब भाजपा को आशीर्वाद देने का मन बना लिया है. छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री ने कहा, झारखण्ड में आदिवासी भर्ष्टाचार के सबसे अधिक शिकार हैँ. अब वक्त आ गया है कि राज्य मुक्ति मोर्चा के कुशासन से मुक्त हो. उन्होंने कहा अब प्रदेश की जनता को सिर्फ भाजपा विकल्प के रूप में नज़र आ रही है.

मेरी बात | ✍ गिरीश पंकज

कनाडा सरकार के विरुद्ध भारत के लोग प्रदर्शन करें !

भारत देश में कुछ राजनीतिक विचारधारा के लोग वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बुरी कदर खार खाए हुए हैं कि उनके विरुद्ध देश के बाहर कहीं भी होने वाली गतिविधि को वे हाथों-हाथ लेते हैं और बड़े प्रसन्न होकर उसे वायरल करने की कोशिश भी करते हैं। जैसे अभी हाल ही में कनाडा के टोरंटो शहर में कुछ खालिस्तान समर्थक सिखों ने 7 मई को एक बड़ा जुलूस निकाला और उस जुलूस में पीएम नरेंद्र मोदी के पुतले को जेल में कैद दिखाया गया। उनके खिलाफ आपत्तिजनक नारे भी लगाए गए। वह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ तो उसे मोदी विरोधियों ने लपक लिया, और बड़े उत्साह के साथ एक दूसरे को भेजना शुरू कर दिया । एक महानुभाव ने वीडियो मुझे भी भेजा। इस भ्रम में कि मैं भी मोदी का विरोधी हूँ। अगर नहीं हूँ, तो हो जाऊं। लेकिन मैं मोदी भक्त नहीं, कट्टर देशभक्त हूं । मोदी से मेरी असहमति रहती भी है, भविष्य में भी रहेगी। लेकिन मैं अपने प्रधानमंत्री का इस तरफ से अपमान नहीं देख सकता। बेशक कुछ मामले में जरूर मोदी जी से मेरी नाराजगी है ।लेकिन अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में जब मैं अपने प्रधानमंत्री को देखता हूं तो मुझे गर्व होता है कि आजादी के सात दशक साल बाद हमें ऐसा प्रधानमंत्री मिला है जो दूसरे राष्ट्राध्यक्षों के साथ आंख से आंख मिलाकर बात तो करता है। उसके स्वर में दीनता, हीनता कायरता नहीं, वरन ज़बरदस्त आत्मविश्वास और स्वाभिमान दिखाई देता है । वह गर्व के साथ सबसे हिंदी में बात करते हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें अंग्रेजी नहीं आती। बहुत अच्छी अंग्रेजी आती है लेकिन वह राष्ट्रभाषा का सम्मान करते हैं इसलिए हिंदी में बात करना पसन्द करते हैं। किसी भी राष्ट्राध्यक्ष से वह लपक कर गले मिलते हैं । कुछ तो उनके पैर भी छूते हैं इसलिए मुझे मेरा प्रधानमंत्री पसंद है। निसंदेह वे महंगाई पर नियंत्रण नहीं कर सके। उनके बहुत सारे वादे भी अधूरे रहे। काला धन वापस नहीं आ सका। लेकिन इस दिशा में उनके प्रयास जारी थे । सफलता भले न मिली हो। तो कुछ मामले में मोदी विफल भी हुए हैं लेकिन समग्रता में अगर हम देखें तो उनके नेतृत्व में यह देश वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सका है ।और आज महाशक्तियों की कतार में भारत देश अग्रणी है। भारत की बढ़ती ताकत देख कर कुछ अराजकवादी तत्व कनाडा में एकजुट हो रहे हैं। और वहाँ खालिस्तान के समर्थन में नारे लगा रहे हैं। भारत देश में तो वे ऐसा कर ही नहीं सकते थे । दुर्भाग्य की बात है कि यह सब कनाडा सरकार की नाक के नीचे हुआ।वहाँ खालिस्तानी आंदोलन पनप रहा है, इसलिए भारत को इस प्रदर्शन का कड़ा प्रतिवाद करते रहना चाहिए। हालांकि भारत ने प्रतिवाद करते हुए कनाडा सरकार को पत्र भेजकर अलगाववादियों को महत्व देने के लिए आपत्ति भी व्यक्त की है कि एक देश के प्रधानमंत्री का वहां सार्वजनिक रूप से अपमान आपत्तिजनक है । इस अपमान के विरुद्ध में भारत देश में भी न केवल भारतीय जनता पार्टी को , वरन सामान्य नागरिक संगठनों को भी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना चाहिए। यह प्रदर्शन कनाडा सरकार के विरुद्ध हो। मैं तो कहता हूं सभी दल के लोग एकजुट होकर के इस बात के लिए प्रदर्शन करें कि उनके देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ में इतना गंदा प्रदर्शन क्यों हुआ। उनके पुतले को जेल में हथकड़ियों में कैद दिखाया गया। उनके मुर्दाबाद के नारे लगे। एक डेढ़ वर्ष पहले तो भारत में भी कुछ महिलाओं ने मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए थे । हालांकि यह बात गलत है कि 10 मई को जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिली, उस खुशी में कनाडा में जुलूस निकला। इस तरह केजरीवाल का खालिस्तानियों के साथ रिश्ता बताने की कोशिश की गई। जबकि बात ऐसी नहीं है। यह प्रदर्शन सिखों का प्रदर्शन खाली स्थानीय सिखों ने 7 मई को खालसा दिवस मनाते हुए किया था। केजरीवाल को जमानत मिली थी 10 मई को। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत के प्रधानमंत्री के विरुद्ध कनाडा में हुए अपमानजनक प्रदर्शन का विरोध भारत में राष्ट्रव्यापी तरीके से ज़रूर होगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी | प्रमुख समाचार

महादेव घाट एनीकट में डूबने से युवक की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र अंतर्गत खारुन नदी पर बने एनीकट में एक 17 साल के युवक की मौत हो गई है. मृतक का नाम सागर साहू है जो कि रायपुर के गुढ़ियारी का रहने वाला था. सागर समेत उसके 5 दोस्त एनीकट पर पिकनिक मानाने आए हुए थे. इसी दौरान यह हादसा हो गया. हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला. बता दें कि महादेव घाट एनीकट में बीते 5 दिनों के भीतर इस तरह की यह दूसरी घटना है. इससे पहले मंगलवार 14 मई को पाटन के रहने वाले गौरव वर्मा (उम्र 17 साल) की यहां डूबने से मौत हो गई. वह अपने 3 दोस्तों के साथ एनीकट में नहाने के लिए गया था. इस दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और उसकी दम घुटने से मौत हो गई. गौरतलब है कि खारुन नदी पर बने इस एनीकट पर लगातार लोगों की डूबने से जान जा रही है. इसके बाद भी प्रशासन की ओर से यहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए हैं. जिसके चलते एनीकट राजधानी के लिए डेंजर पॉइंट बन गया है. इससे पहले भी कई लोगों की यहां डूबने से मौत हो चुकी हैं. गर्मी के मौसम में अकसर शहर और शहर के आसपास के लोग एनीकट पर सैर करने या नहाने के लिए आते है.

अनियंत्रित ऑटो नाले में पलटा, बच्ची की मौत

रायपुर। सवारियों से भरा ऑटो पलटने से एक बच्ची की मौत हो गई हैं। वहीं एक ही परिवार के 6 से 7 लोग घायल हो गए है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने 5 घायलों को इलाज के निजी अस्पताल भेजा है। इनमे से 2 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल पुलिस ने मृतक बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना विधानसभा थाना क्षेत्र के पचेड़ा गांव की है। जहां पचेड़ा से नरदाह के बीच निर्माणाधीन सड़क पर नाले में सवारियों से भरा ऑटो पलट गया और इस हादसे में 12 साल की नाबालिग बच्ची की मौत हो गई। वहीं 6 से 7 लोगों की घायल हो गए। आनन-फानन में पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजा है, जहां 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं पुलिस ने मृतक बच्ची के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

5 एकड़ की प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

रायपुर। नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता एवं नगर निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन 8 के वीर सावरकर नगर वार्ड के तहत हीरापुर जरवाय में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लगभग 5 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर अभियानपूर्वक कड़ी कार्यवाही करते हुए रोक लगायी गयी. रायपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार एवं नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के नेतृत्व एवं कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ताकी उपस्थिति में श्रीडी एवं श्रमिकों की सहायता से जोन 8 के वीर सावरकर नगर वार्ड के हीरापुर जरवाय क्षेत्र में अज्ञात लोगों द्वारा लगभग 5 एकड़ निजी भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की गई. अवैध प्लाटिंगकर्ता द्वारा बनायी गयी अवैध मुरूम रोड को श्रीडी से काटा गया। प्लाटिंग के लिये बनाई गई सभी प्लाटो की अवैध नींव को हटाने की कार्यवाही की गई। बनायी गयी सभी अवैध नींव को श्रीडी से तोड़ा गया। वहां पहुंचने का मार्ग बाधित किया गया.

चोरी के 4 वाहन के साथ शातिर गिरफ्तार

रायपुर। चोरी के 4 मोटर सायकल वाहन के साथ शातिर होरीलाल उर्फ मोनू गिरफ्तार हुआ है। प्रार्थी झग्गर महिलांग ने थाना सिविल लाईन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह अपनी मोटर सायकल डीलक्स क्रमांक सीजी 04 सीएक्स 6655 को घर के सामने तरूणनगर पंडरी में खड़ा किया था। कुछ देर बाद आकर देखा तो मोटर सायकल वहां पर नही था। किसी अज्ञात चोर के द्वारा इसके मोटर सायकल वाहन को चोरी कर ले गया। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 09/2024 धारा 379 भादवि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। सिविल लाईन पुलिस द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस.पास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु मुखबीर भी लगाये गये इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण

एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के लिए प्रदेश के बच्चों में उत्साह का माहौल

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेश भर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए इंट्रेंस एग्जाम सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया है। विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के निर्देश एवं कड़ी निगरानी में सचिव नरेन्द्र दुग्गा के मार्गदर्शन में परीक्षा का आयोजन किया गया। एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के लिए हुए परीक्षा में 29200 छात्र छात्राएं शामिल हुईं जबकि 35684 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, इसका प्रतिशत 81.83 रहा। परीक्षार्थियो का तिलक लगाकर स्वागत किया। परीक्षा परिणाम राज्य स्तर पर घोषित होगा और काउंसिलिंग पद्धति से प्रवेश दिया जाएगा। आदिम जाति विभाग के अधिकारियों ने आज यहाँ बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कक्षा 6वीं में सत्र 2024 - 25 में प्रवेश के लिए इंट्रेंस एग्जाम आयोजित की गई है। प्रदेश के 28 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाया गया था। एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के 29200 छात्र छात्राएं परीक्षा में शामिल हुईं। इसका प्रतिशत 81.83 रहा जबकि 6484 परीक्षार्थी एग्जाम में शामिल नहीं हुए। कुल 35,684 छात्र छात्राओ ने पंजीयन कराया था। इनमे 17 हजार 411 बालक और 18 हजार 273 बालिका शामिल हैं। एकलव्य शाखा प्रभारी उपायुक्त श्री प्रज्ञान सेठ द्वारा उक्त संबंध में आवश्यक लिखित निर्देश जारी कर अधिकारियों को कार्य सौंपे गए जिससे परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

संबलपुर में बृजमोहन अग्रवाल का शानदार रोड शो

भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम ही एकमात्र सिद्धांत हैः बृजमोहन

संबलपुर ओडिशा। ओडिशा चुनाव प्रचार पर आए छत्तीसगढ़ के मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को संबलपुर में बाइक रैली निकाली।

मां समलेश्वरी की पूजा अर्चना के बाद रैली की शुरूआत समलेश्वरी माता मंदिर से हुई यहां से हजारों कार्यकर्ता बाइक पर सवार होकर बड़ा बाजार, खेतराजपुर, दुर्गामंगलम, बारेपाली होते हुए वापस दुर्गामंगलम पहुंची जहां रैली का समापन हुआ। यहां बृजमोहन अग्रवाल ने एक सभा को भी संबोधित किया।

अपने संबोधन में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, ओडिशा एक समृद्ध राज्य था लेकिन पिछले 25 सालों में नवीन पटनायक सरकार ने लूट करी है उसने राज्य को बर्बाद कर दिया है। उड़ीसा को फिर से विकास और समृद्धि के पथ पर लाने के लिए यहां भाजपा की सरकार बनाना बहुत ही जरूरी है।

बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि राज्य में नाम के लिए नवीन पटनायक मुख्यमंत्री हैं लेकिन असल में यहां की सरकार पांडियन चला रहे हैं जिसका खौफ आम जनता में ही नहीं बल्कि यहां के मंत्रियों में भी हैं सरकार के मंत्री भी कोई फैसला नहीं लेते सभी फैसले पांडियन लेता है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम ही एकमात्र सिद्धांत है। उन्होंने यह भी कहा कि, भारत को विश्व गुरु और विकसित भारत बनाने के लिए केंद्र में नरेंद्र मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाना है। सभी जनता से अपील है कि वह चुनाव में दो बार कमल के बटन को दबाए एक कमल का फूल भगवान श्री जगन्नाथ जी के चरणों में चढ़ाएं और एक प्रभु श्री राम को अर्पित करें।

अनिल टुटेजा की रिमांड 3 जून तक बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में रायपुर के स्पेशल कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। 14 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद ईडी ने रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा को पेश किया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद फिर टुटेजा की न्यायिक रिमांड 14 दिन बढ़ा दी है। वे 3 जून तक जेल में रहेंगे। बता दें कि शराब घोटाले मामले में श्वष्ठ को पूछताछ के दौरान बहुत सारे सबूत मिले है। इसके साथ ही टुटेजा से पूछताछ के दौरान बहुत सारे लोगों के नाम सामने भी आए हैं। जिन्हें श्वष्ठ समंस जारी कर पूछताछ के लिए अपने दफ्तर बुला रही है।

ईडी की टीम को टुटेजा के पास से डिजिटल डिवाइस मिले हैं। डाटा को एस्ट्रेक्ट कर एनालिसिस किया जा रहा है। जल्द ही इस मामले में ईडी अन्य लोगो की भी गिरफ्तारी कर सकती है।

ईडी ने बताया है आर्किटेक्ट ऑफ लिकर स्कैम - छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ को हुए शराब घोटाले मामले में ईडी ने अनिल टुटेजा शराब घोटाले मामले का आर्किटेक्ट ऑफ लिकर स्कैम बताया है। ईडी का आरोप है कि शराब घोटाले में अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाया और उस सिंडिकेट को सबसे ज्यादा पावर अनिल टुटेजा से मिलती थी, जो कंट्रोलर की भूमिका में थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.